घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 157- गुरूवार 09- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी ने दाखिल किया नामांकन,समर्थकों के साथ पहुंचीं अलीपुर सर्वे भवन

कोलकाता,08 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को भवानीपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुबह लगभग 10:45 बजे वह अपने आवास से पैदल निकलकर अलीपुर स्थित सर्वे भवन पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ पार्टी समर्थकों और नेताओं की बड़ी रैली भी मौजूद रही। नामांकन के समय उनके साथ कोलकाता के मेयर एवं राज्य के मंत्री फिरहाद हाकिम, पार्षद तथा मुख्यमंत्री के भाई स्वप्न बनर्जी, कार्तिक बनर्जी, भाभी कजरी बनर्जी सहित कई नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की रैली को देखते हुए पुलिस ने भीड़ नियंत्रण के लिए सड़क के एक हिस्से को गाडरेल से घेर दिया था। मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। इस दौरान ममता बनर्जी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करती हुई आगे बढ़ीं। रैली में शामिल तृणमूल कार्यकर्ता 'जय बांग्ला' के नारे लगाते नजर आए। वहीं, सड़क किनारे खड़ी महिला कार्यकर्ताओं ने शंख बजाकर और उलुध्वनि कर उनका स्वागत किया। अलीपुर सर्वे भवन पहुंचकर मुख्यमंत्री ने अपना नामांकन पत्र जमा किया। उनके नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया जारी है। भवानीपुर सीट के बहु-सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए उनके प्रस्तावकों की सूची में विभिन्न धर्मों, भाषाओं और समुदायों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावकों में फिरहाद हकीम की पत्नी इस्मत (रूबी) हकिम, राज्यसभा सांसद और अभिनेत्री कोयल मलिक के पति निसपाल सिंह राणे, वार्ड 71 के तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष बबलू सिंह तथा भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी के मीरज शाह शामिल हैं।

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा रामपाल,देशद्रोह केस में हाईकोर्ट से जमानत

चंडीगढ़,08 अप्रैल 2026। सतलोक आश्रम के प्रमुख रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। देशद्रोह के केस में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल को जमानत मिल गई है। इस केस में रामपाल 11 साल, 4 महीने और 20 दिन से जेल हिसार सेंट्रल जेल-2 में बंद है। वह आज जेल से बाहर आ सकता है। हिसार सेंट्रल जेल-2 के सुपरिंटेंडेंट उमेश कुमार ने दैनिक भास्कर को बताया कि हाईकोर्ट के जमानत ऑर्डर संबंधित कोर्ट में जाएंगे। उसके बाद वहां बॉन्ड भरा जाएगा। इसके बाद ऑर्डर जेल आएंगे। फिर रामपाल को जेल से रिलीज किया जाएगा। संत रामपाल को 19 नवंबर 2014 को हिसार जिले के बरवाला स्थित सतलोक आश्रम से गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने उसे कोर्ट की अवमानना के एक मामले में पेश होने का आदेश दिया था, लेकिन वह पेश नहीं हुआ। जब पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची, तो समर्थकों से झड़प हो गई।

विधानसभा चुनाव : असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज,सभी तैयारियां पूरी

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी। असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है। इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

जो भक्त नहीं,वो धार्मिक परंपरा को चुनौती कैसे दे रहा : सुप्रीम कोर्ट

सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट का केंद्र से सवाल... ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई क्यों हो

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से पूछा कि जो लोग भगवान अयप्पा के भक्त नहीं हैं, वे केरल के सबरीमाला मंदिर की परंपराओं को कैसे चुनौती दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर 7 सवाल तय किए हैं। इनमें से एक सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति, जो किसी धार्मिक संप्रदाय या समूह से संबंधित नहीं है, उस 'धार्मिक संप्रदाय या समूह'की किसी प्रथा को जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दे सकता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि सबरीमाला मामले में याचिकाकर्ता कौन थे।'मूल याचिकाकर्ता भक्त नहीं थे। किसी भी भक्त ने इस प्रथा को चुनौती देने के लिए अदालत का रुख नहीं किया। तो फिर ये रिट याचिकाकर्ता कौन हैं जो इसे चुनौती दे रहे हैं।'मेहता ने जवाब दिया कि मूल याचिकाकर्ता 'इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन'नामक वकीलों का एक संगठन है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, 'वे भक्त नहीं हैं। लेकिन हमें यह स्पष्ट करना होगा। क्या भगवान अयप्पा का कोई भी भक्त इस परंपरा को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर कर सकता है और यदि कोई गैर-भक्त,जिसका उस मंदिर से कोई संबंध नहीं है, इसे चुनौती देता है, तो क्या यह अदालत ऐसी याचिका पर सुनवाई कर सकती है।

दूसरे दिन की सुनवाई के पॉइंट्स

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा... कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती,क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है,वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है,यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना खतरनाक हो सकता है।
- जस्टिस अमानुल्लाह ने इस पर कहा...मिस्टर मेहता,आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है कि वह यह तय कर सके कि अंधविश्वास क्या है। उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधानमंडल (संसद-विधानसभा) का काम हो सकता है,लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधायिका ही करेगा। धर्म के मामलों में तर्क उसी तरह लागू नहीं किया जा सकता।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला महिलाओं के अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन से जुड़ा है। कोर्ट ने अपने तर्क को समझाने के लिए सती प्रथा,जादू-टोना और नरभझी जैसे उदाहरण भी दिए और कहा कि अगर कोई प्रथा समाज को झकझोरती है, तो अदालत हस्तक्षेप कर सकती है।
- जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि अदालत को यह भी देखना होगा कि कोई प्रथा उस धर्म के लिए जरूरी है या नहीं। यह जांच उस धर्म की सोच और परंपरा के आधार पर ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे धर्म के नजरिए से यह तय नहीं किया जा सकता कि कोई प्रथा जरूरी है या नहीं,लेकिन यह सब सार्वजनिक व्यवस्था और नैतिकता के दायरे में ही होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4:1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

न्यायिक विशेषज्ञता और धार्मिक विविधता पर सवाल

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वतापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा 'आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म ३ नहीं।' मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है,क्योंकि समाज अत्यंत विविध है।

कांग्रेस की दिग्गज नेता मोहसिना किदवई का निधन

छत्तीसगढ़ से रह चुकी हैं राज्यसभा सदस्य

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। कांग्रेस की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके परिवार और दामाद रजी उर रहमान किदवई ने उनके निधन की जानकारी दी। मोहसिना किदवई 2004 से 2016 के बीच छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

एक प्रभावशाली राजनीतिक सफर : मोहसिना किदवई कांग्रेस पार्टी का एक बेहद सम्मानित और प्रमुख चेहरा रही हैं। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की रहने वाली मोहसिना किदवई ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली।

शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका : वे उत्तर प्रदेश के मेरठ निर्वाचन क्षेत्र से छठी लोकसभा के लिए चुनी गईं और सातवीं तथा आठवीं लोकसभा में भी इस सीट पर बनी रहीं। यानी ने तीन बार मेरठ से सांसद रहीं। इसके अलावा,उन्होंने 2004 से 2016 के बीच छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य के रूप में भी कार्य किया। मोहसिना किदवई को कांग्रेस आलाकमान और विशेषकर गांधी परिवार के बेहद करीब और भरोसेमंद नेताओं में गिना जाता था। वे कांग्रेस के उन गिने-चुने नेताओं में से थीं जिन्होंने पार्टी के कई उतार-चढ़ाव देखे और अपना पूरा जीवन पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित कर दिया।

आम आदमी को महंगे लोन से नहीं मिलेगी राहत आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति के फैसले की घोषणा कर दी,जिसमें रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला लिया गया। संभावना जताई जा रही थी कि इस बार भी दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। फिलहाल रेपो रेट 5.25 फीसदी रहेगी। यह निर्णय बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा और छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने दो दिनों की चर्चा के बाद सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दी। आरबीआई के इस फैसले का उद्देश्य मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीतिगत निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि बैंक दर और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) की दर 5.50 प्रतिशत पर यथावत रखी गई है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी की दर भी 5.00 प्रतिशत पर बरकरार है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक हालात लगातार चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। आरबीआई गवर्नर ने 2025 को एक चुनौतीपूर्ण वर्ष बताया, लेकिन यह भी कहा कि अक्टूबर की नीति के बाद से मुद्रास्फीति में कमी आई है। उन्होंने बैंकिंग प्रणाली की बेहतर कार्यकुशलता को अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख सहारा बताया। गौरतलब है कि यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद हुई। इस घटनाक्रम से वैश्विक बाजारों में सकारात्मक माहौल बना और भारतीय शेयर बाजार में भी तेजी देखने को मिली। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

खरगे ने खेद जताया : 'गुजरात के अपमान' पर सियासी रार! कांग्रेस अध्यक्ष बोले...मेरी बातों का गलत मतलब निकाला गया

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में दिए अपने एक चुनावी भाषण पर सफाई दी है। उन्होंने अपने बयान पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। खरगे ने साफ किया कि उनका इरादा गुजरात के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब खरगे ने केरल के इडुक्की जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। वहां उन्होंने केरल के लोगों की शिक्षा और समझदारी की तारीफ की थी। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे उन लोगों को मूर्ख बना सकते हैं जो कम पढ़े लिखे हैं, जैसा कि गुजरात और कुछ अन्य जगहों पर होता है। उन्होंने कहा था कि केरल के जागरूक मतदाताओं को गुमराह करना मुमकिन नहीं है।

बयान पर भाजपा ने क्या कहा?

इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे कांग्रेस की बांटो और राज करो वाली मानसिकता बताया। वहीं, वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने इस टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या महात्मा गांधी, सरदार पटेल और मोरारजी देसाई जैसे महान व्यक्तित्व भी अनपढ़ थे? भाजपा ने खरगे से सार्वजनिक माफी की मांग की थी और सोनिया गांधी व राहुल गांधी से भी इस पर रुख साफ करने को कहा था।

वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि राजनीति में बातचीत का स्तर लगातार गिर रहा है। हमें अपनी भाषा का स्तर उन लोगों जैसा नहीं करना चाहिए जो अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने आगे कहा नेताओं को अपनी भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। अब चुनाव से ठीक पहले खरगे ने इस मामले पर खेद जताकर विवाद को शांत करने की कोशिश की है। बता दे कि केरल की 140 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होना है।

देश में पेट्रोल,डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर : सरकार

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। पश्चिम एशिया में सीजफायर की घोषणा का स्वागत करते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति आएगी। सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई स्थिर है। तेल रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के साथ पूरी क्षमता से चल रही हैं, जबकि 23 मार्च से अब तक 5 किलो के लगभग 8,90,000 सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। कोयला आधारित बिजली देश की ऊर्जा जरूरतों का लगभग 70 फीसदी हिस्सा पूरा करना जारी रखे हुए है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले पांच दिनों में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने करीब 1,600 जागरूकता कैंप लगाए हैं, जिनमें लगभग 14,000 सिलेंडर बांटे गए हैं। उन्होंने कहा कि कल लगभग 1.1 लाख गैस सिलेंडर की सप्लाई की गई, जिससे 23 मार्च से अब तक पांच किलो वाले गैस सिलेंडर की कुल बिक्री लगभग 8.9 लाख हो गई है। उन्होंने बताया कि घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें खाद बनाने वाले प्लांटों को लगभग 95 फीसदी गैस की सप्लाई मिल रही है। पेट्रोल और डीजल की सप्लाई स्थिर है और कहीं भी कमी नहीं है क्योंकि रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के साथ पूरी क्षमता से चल रही हैं। शर्मा ने कहा कि सरकार ने सप्लाई बढ़ाने के लिए C3 और C4 स्ट्रीम को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है, जबकि पेट्रोकेमिकल्स के लिए सीमित इस्तेमाल की अनुमति दी है। सुजाता शर्मा ने बताया कि नेचुरल गैस के संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है और उनकी आपूर्ति को सुरक्षित रखा गया है। इसके साथ ही उद्योगों को भी नेचुरल गैस की सप्लाई शुरू की गई है। ड्राफ्ट स्टेट सीबीजी पॉलिसी जारी की गई है, जो राज्य इस पॉलिसी को अपनाएंगे, उन्हें अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी।

भारत ने ईरान में मौजूद भारतीयों को दी जल्द से जल्द देश छोडने की सलाह,युद्धविराम का स्वागत किया

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर समझौते के बावजूद, भारत ने बुधवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को सलाह दी कि वे जल्द से जल्द देश छोड़ दें। भारत ने अपने नागरिकों को ईरान में स्थित दूतावास के बताए रास्तों का इस्तेमाल करने का भी सुझाव दिया है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को एक एडवाइजरी में कहा, '7 अप्रैल की एडवाइजरी के क्रम में और हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे दूतावास के साथ तालमेल बिठाकर और दूतावास की ओर से सुझाए गए रास्तों का इस्तेमाल करके जल्द से जल्द ईरान छोड़ दें।' भारतीय दूतावास ने आगे कहा, 'यह फिर से दोहराया जाता है कि दूतावास से पहले से सलाह और तालमेल किए बिना किसी भी अंतरराष्ट्रीय जमीनी सीमा तक पहुंचने की कोई कोशिश नहीं की जानी चाहिए।' एडवाइजरी में दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए आपातकालीन नंबर भी शेयर किए हैं। हालांकि, एक ताजा पोस्ट में भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम का स्वागत किया।

केंद्र सरकार ने 1.74 लाख करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी,किसानों से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़ा बूस्ट

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में देश के विकास और आम जनता की सहूलियत के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जानकारी दी कि सरकार ने कुल 1,74,207 करोड़ की लागत वाले पांच बड़े प्रोजेक्ट्स को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इन फैसलों का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र को समर्थन देना, शहरी परिवहन में सुधार करना और देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है और सरकार के इस कदम से बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी के लिए 79,459 करोड़ की मंजूरी

औद्योगिक विकास और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के प्रोजेक्ट के लिए 79,459 करोड़ का भारी-भरकम फंड स्वीकृत किया है। यह रिफाइनरी राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित है और इसे अत्याधुनिक तकनीक के साथ विकसित किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक,इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से न केवल पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सुधरेगी,बल्कि स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह परियोजना राजस्थान की अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित होने वाली है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए दो विशाल हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स

देश की बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने दो बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को मंजूरी दी है। पहली परियोजना 'कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट' है,जिसकी क्षमता 1,720 मेगावाट है और इस पर 26,070 करोड़ का निवेश किया जाएगा। दूसरी परियोजना 'कलाई-II हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट' है, जो 1,200 मेगावाट क्षमता की होगी और इसके निर्माण पर 14,106 करोड़ खर्च होंगे। ये दोनों प्रोजेक्ट्स पूर्वोत्तर भारत में ऊर्जा उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बुनियादी ढांचे और विकास पर सरकार का जोर

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य देश के समग्र विकास को गति देना है और 1,74,207 करोड़ का यह निवेश विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। खाद सब्सिडी जहां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा देगी, वहीं मेट्रो और रिफाइनरी जैसे प्रोजेक्ट्स शहरी और औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है ताकि इनका लाभ जल्द से जल्द जनता तक पहुंच सके।

किसानों को खाद पर 41,534 करोड़ की भारी सब्सिडी

कैबिनेट ने कृषि क्षेत्र को बड़ी राहत देते हुए आगामी खरीफ सीजन के लिए उर्वरकों पर भारी सब्सिडी जारी रखने का निर्णय लिया है और सरकार ने डीएपी और एनकेपीएस जैसे आवश्यक खादों के लिए 41,534 करोड़ का आवंटन किया है। वैश्विक स्तर पर कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद, केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि भारतीय किसानों पर इसका बोझ न पड़े।

जयपुर मेट्रो फेज-2 के लिए 13,038 करोड़ आवंटित

राजस्थान की राजधानी जयपुर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए कैबिनेट ने जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण (फेज-2) को हरी झंडी दिखा दी है। इस परियोजना की कुल लंबाई 41 किलोमीटर होगी और इस पर 13,038 करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह नया कॉरिडोर शहर के प्रमुख हिस्सों को जोड़ेगा, जिससे यातायात के दबाव में कमी आएगी और लाखों दैनिक यात्रियों को सुगम यात्रा का विकल्प मिलेगा और इस प्रोजेक्ट के तहत मेट्रो नेटवर्क का विस्तार सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक किए जाने की योजना है, जो शहर के औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा।

संपादकीय

पश्चिम एशिया संकट,फंस गए रे ट्रंप

पश्चिम एशिया संकट में बुरी तरह फंस गए ट्रंप सहानुभूति के पात्र नहीं,क्योंकि उन्होंने मनमानी ही की...चूंकि ईरान अमेरिका और इजरायली हमलों से जूझ रहा है,इसलिए वह दुनिया के एक बड़े हिस्से में हमदर्दी हासिल कर रहा है,लेकिन यदि अमेरिका और इजरायल ने मनमानी की तो ईरान भी दूध का धुला नहीं...

वर्ष 2010 की चर्चित फिल्म'फंस गए रे ओबामा'एक कामेडी फिल्म थी। यह एक त्रासदी से उपजी थी। इसकी कहानी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका में उभरे आर्थिक संकट से ग्रस्त भारत आए एक एनआरआइ से संबंधित थी। जैसे अमेरिका में आई मंदी ने उस वक्त सारे विश्व को परेशान किया,वैसे ही अमेरिका की ओर से इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर किए गए हमले से आज सारा विश्व त्रस्त है। इस युद्ध को जारी हुए एक महीने से अधिक का समय बीत गया है और कहना कठिन है कि यह कब समाप्त होगा?

यदि अमेरिका इजरायल का साथ नहीं देता तो इस युद्ध की नौबत ही नहीं आती,लेकिन ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते ईरान को वेनेजुएला समझ लिया और बिना यह विचारे उस पर चढ़ाई कर दी कि उसने कितनी एवं कैसी सैन्य क्षमता हासिल कर ली है? वे इसे भी भांप नहीं सके कि ईरान पड़ोसी देशों में हमले करके और होर्मुज समुद्री मार्ग अवरुद्ध कर उनके पसीने छुड़ा देगा। वह फिलहाल सचमुच ऐसा करने में समर्थ है और ट्रंप को सूझ नहीं रहा है कि वे इस युद्ध से कैसे निकलें?

एक ओर वे सबसे शक्तिशाली शासक और विश्व के नीति-नियंता होने के गुमान में हैं और दूसरी ओर ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मोहलत पर मोहलत देकर अपनी कमजोरी भी जाहिर कर चुके। यदि उनकी सेना इतनी ही शक्तिशाली है तो ईरान की मारक क्षमता कम होने का नाम क्यों नहीं ले रही है? वह ऐसी-ऐसी मिसाइलें दागने में लगा हुआ है, जिससे अमेरिका भी दंग है और इजरायल भी। ट्रंप कभी ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी देते हैं और कभी उससे शांति वार्ता की पहल करते हैं।

ट्रंप ने ईरान के समक्ष शांति वार्ता का जो प्रस्ताव रखा, उसने उसे खारिज ही नहीं किया,बल्कि उनका उपहास भी उड़ाया। वह उन्हें जवाबी धमकी भी दे रहा है। ट्रंप ने ईरान पर हमला करते समय कहा था कि वे वहां सत्ता परिवर्तन के साथ परमाणु हथियारों के निर्माण की उसकी क्षमता खत्म करना चाहते हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के कोई आसार नहीं,जबकि उसके सुप्रीम नेता खामेनेई समेत कई बड़े सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। यह कहना भी कठिन है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में उसके परमाणु संयंत्र इतने बुरी तरह तबाह हो गए हैं कि वह फिर कभी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल नहीं कर सकेगा।

अपनी टैरिफ नीति की लाठी से दुनिया को हांकने वाले ट्रंप न तो खाड़ी देशों को ईरान के हमलों से बचा पा रहे हैं और न ही अपने मित्र देशों और यहां तक कि नाटो देशों को इस युद्ध में सहयोग देने के लिए राजी कर पा रहे हैं। उनके मित्र देश उनका सहयोग करने के लिए इसलिए भी आगे नहीं आ रहे हैं,क्योंकि बहुत समय नहीं हुआ,जब उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी देकर उन्हें तंग किया था। ईरान ने इस माहौल की हवा निकाल दी है कि दुनिया में वही होगा, जैसा ट्रंप चाहेंगे और उनकी जिद के सामने अन्य देशों को झुकना ही होगा।

ट्रंप यह कहते रहे हैं कि वे शांति के राष्ट्रपति हैं और सात-आठ युद्ध रोके हैं, लेकिन उनके पास इसका कोई जवाब नहीं कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रोक सके,जिस पर उन्होंने सबसे ज्यादा रियाज किया। शांति का स्वयंभू मसीहा होने के नाते वे खुद को नोबेल पुरस्कार का अधिकारी बताते रहे हैं और उसके न मिलने पर विलाप भी करते रहे हैं,लेकिन उन्होंने कुल मिलाकर दुनिया को अस्थिर और अशांत ही किया है। वे अपने विरोधी देशों के साथ मित्र देशों से भी बुरा बर्ताव करने के आदी हैं। ट्रंप यह चाहते हैं कि सारी दुनिया उन्हें सलाम करे, लेकिन वे इसके लिए धौंस-धमकी का सहारा लेते हैं।

राजनीति को जनोन्मुखी कर उसे सेवा का माध्यम बनाने वाले रवि भईया की आज 16 वीं पुण्यतिथि

सरगुजा की राजनीतिक और सामाजिक चेतना के इतिहास में यदि कुछ नाम अत्यंत सम्मान और आत्मीयता के साथ लिए जाते हैं,तो उनमें स्वर्गीय रविशंकर त्रिपाठी का नाम अग्रणी है... वे केवल एक राजनेता नहीं थे,बल्कि विचार प्रतिबद्धता और जनसेवा के ऐसे प्रतीक थे जिन्होंने सामान्य व्यक्ति से जननायक बनने की विलक्षण यात्रा तय की...

मुकेश तिवारी
अम्बिकापुर,सरगुजा छत्तीसगढ़

उत्तर छत्तीसगढ़ के गौरव पं.रविशंकर त्रिपाठी की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए उनकी पुण्यतिथि पर,छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों के कर कमलों से उनकी प्रतिमा का अनावरण वस्तुतः उस आदर्श जीवन,त्याग और जनसमर्पण को श्रद्धांजलि है,जिसने समाज के हृदय में अमिट स्थान बनाया।

भारतीय परंपरा में कहा गया है...

**चलं वित्तं चलं चित्तं चले जीवितयौवने।
चलाचलमिदं सर्वं कीर्तिर्यस्य स जीवति॥**

अर्थात चित्त चंचल है, वित्त अस्थिर है,जीवन और यौवन में पल-पल परिवर्तन हो रहा है। इस संसार में यदि कुछ स्थायी है तो वह मनुष्य की कीर्ति है–जिसके पास कीर्ति, यश है, वही वास्तव में जीवित है।

उनकी प्रतिमा का यह अनावरण उस अमर कीर्ति को प्रणाम करने का क्षण है, जो आने वाली पीढ़ियों को सेवा,साहस और समर्पण का मार्ग दिखाती रहेगी। रविशंकर त्रिपाठी का व्यक्तित्व राजनीति की परंपरागत सीमाओं से कहीं आगे था। उनमें संगठन क्षमता,दूरदर्शिता और जनसरोकारों के प्रति गहरी संवेदन शीलता का अनोखा समन्वय था। यही कारण था कि सरगुजा में भाजपा के संगठन को मजबूत आधार देने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। उस दौर में जब पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार तक नहीं मिलते थे, तब उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया, संगठन को खड़ा किया और नई पीढ़ी को राजनीतिक चेतना से जोड़ा।

छात्र जीवन से ही उनमें सामाजिक परिवर्तन की तीव्र आकांक्षा दिखाई देती थी। आपातकाल के दौर में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उन्होंने संघर्ष किया और छात्र आंदोलनों के माध्यम से जनजागरण का कार्य किया।सन 1973-74 में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के जनरल सेक्रेटरी बन गए। बाद में इस महाविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि,एकाधिक बार रहे। आपातकाल के दिनों में उन्हें कॉलेज से गिरफ्तार कर लिया गया।19 वर्ष की अल्पायु में मीसा के तहत कार्यवाही हुई। यही संघर्षशीलता आगे चलकर उनके राजनीतिक जीवन की पहचान बनी।

राजनीति में उनकी एक विशेष पहचान उनकी संगठन क्षमता और कार्यकर्ताओं से आत्मीय संबंध थी। पुराने से नए सभी कार्यकर्ताओं को वे भली भांति जानते थे। वे केवल नेता नहीं,बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाते थे। कार्यकर्ताओं के बीच संवाद, समन्वय और सामंजस्य स्थापित करना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा था। यही कारण था कि प्रदेश स्तर के कई बड़े निर्णयों में भी उनकी राय को महत्व दिया जाता था। रविशंकर त्रिपाठी ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ी गई दूसरी आज़ादी की लड़ाई के सिपाहियों–मीसा बंदियों के सम्मान के लिए छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के बाद पहल की। उनके प्रयासों और विचारों की परिणति बाद में तब दिखाई दी जब छत्तीसगढ़ सरकार ने मीसा बंदियों के सम्मान और स्वाभिमान के लिए विशेष योजना प्रारंभ किया।

सरगुजा क्षेत्र के लिए एक समय

सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद के विरुद्ध भी वे सदैव स्पष्ट और मुखर रहे। वे मानते थे कि शांति और विकास का मार्ग केवल साहस,संकल्प और जनसहभागिता से ही प्रशस्त होता है। 11 मार्च 2010 को छत्तीसगढ़ विधानसभा में गृह विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान नक्सलवाद पर अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा था...

हम लड़ाई लड़ेंगे और इस लड़ाई में विजयी होंगे। हम जीतेंगे और इस छत्तीसगढ़ में शांति की स्थापना होगी।

उनकी यह भविष्यवाणी और विश्वास समय के साथ सत्य सिद्ध हुआ। आज जब 31 मार्च को छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त घोषित किया गया, तो यह उस संकल्प, साहस और दूरदृष्टि की भी याद दिलाता है।

अक्सर रवि भैया बैठकों, जनसभाओं से लेकर विधानसभा तक में गंभीर से गंभीर विषय को अपनी चुटीली और पैनी बातों से हल्का कर देते थे और उसके प्रभाव को भी बनाए रखते थे। स्वनिर्मित, अध्ययनशील व्यक्ति थे। चिंतन और मनन भी ज्यादा था। उनके विचार करने की शक्ति महान थी और उन विचारों को अभिव्यक्त करने की,अधिक से अधिक प्रभाव शाली ढंग से अभिव्यक्त करने की क्षमता उससे भी तीव्र थी। योग्यता के कारण उनका बड़ा सम्मान था। बैठकों में कार्यकर्ताओं को खूब हँसाते। सदैव तनाव मुक्त रहते थे। विपक्ष भी उनकी वाकपटुता की सराहना करता रहता।

भारतीय जनता पार्टी के अविभाजित सरगुजा जिले में महामंत्री,जिलाध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष से लेकर भटगांव विधानसभा चुनाव में सभी प्रतिद्वंदियों की जमानत जप्त कर रिकॉर्ड बनाने वाले पं रविशंकर त्रिपाठी की राजनीति का केंद्र जनहित और विकास था। सरगुजा के विकास का उन्होंने खाका तैयार रखा था। सरगुजा विश्व विद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज के बाद मेडिकल कॉलेज उनके प्राथमिकता क्रम में था। भटगांव विधायक के अल्पकाल में शिक्षा, सड़क,पुल-पुलिया,संचार और आधार भूत संरचना के विकास की श्रृंखला उनके विकासशील दृष्टि का परिणाम है। विधायक की हैसियत से उन्होंने सुदूर अंचल से लेकर नगर विकास तक की योजनाबद्ध शुरुआत की ।कठिन,पहुंचविहीन और दुर्गम क्षेत्रों में सड़क और पुल निर्माण के प्रयासों से उन्होंने विकास को नई दिशा देने की कोशिश की।

उनकी वाणी में स्पष्टता और विचारों में दृढ़ता थी। वे बिना लाग-लपेट के अपनी बात रखते थे और कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते थे। यही गुण उन्हें एक मजबूत और विश्वसनीय नेता के रूप में स्थापित करते थे। सरगुजा के लोग उन्हें केवल एक राजनेता के रूप में नहीं, बल्कि अपनी आकांक्षाओं और संघर्षों की आवाज के रूप में देखते थे। उनके पास जितना कूटनीतिक कौशल था उतना ही प्रति उत्पन्नमतित्व और व्यावहारिक चातुर्य भी था।

राजनीतिज्ञ होने के कारण लड़ना जूझना उनकी नियति थी,पर उनका मनभक्ति,पूजा-पाठ,सांस्कृतिक आयोजन में भी खूब रमता था। राम चरितमानस के मर्मज्ञ थे,सांस्कृतिक सचेतक भी। सरगुजा सेवा समिति के माध्यम से उन्होंने लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों को बहुत ऊंचाई दी। राजनीतिक विरोधी की भी व्यक्तिगत सहायता करना उनकी बड़ी सदाशयता थी। व्यक्तित्व में बनावट नहीं था।

रवि भैया का मानस लोकमत पर आधारित और विवेक से निर्धारित होता था। सार्वजनिक हित के कामों में सदैव न केवल रुचि रखते प्रेरित भी करते रहते। उनकी बातों में दलील और युक्ति का वजन रहता था। विधायक बनने के बाद वे एक सहज,सरल पर मुखर जन प्रतिनिधि के रूप में ऐसे निखरते गए,जिनसे संबंध बनाने आम और खास सभी गर्व महसूस करते थे। उनके प्रबल राजनीतिक प्रतिद्वंदी भी उनके आभामंडल में अपनी सुरक्षा महसूस करते थे।

9 अप्रैल 2010 को पार्टी संगठन के कार्य से रायगढ़ निकले,रवि भैया को नियति ने हमसे निर्ममता से छीन लिया। वह उस पीढ़ी के नेता थे जो राजनीति में कुछ नया करने को बेचैन रहते थे। उस युग में येन-केन-प्रकारेण सत्ता प्राप्ति हेतु सिद्धांतों के दफन की परंपरा प्रारंभ नहीं हुई थी। राजनीति देश सेवा,आदर्श, सिद्धांतों और क्षेत्र के विकास का परम पुनीत मिशन थी।किन्तु नियति को शायद कुछ और ही मंजूर था। उनका असमय निधन केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सरगुजा के भविष्य के एक बड़े सपने का टूटना था। उनके जाने से जो शून्य पैदा हुआ,वह लंबे समय तक महसूस किया गया। आज भी जब सरगुजा के विकास और जननायकत्व की चर्चा होती है,तो रविशंकर त्रिपाठी की स्मृति स्वाभाविक रूप से सामने आ जाती है।

ऐसे सच्चे प्रजातांत्रिक चरित्र वाले दूरंदेश और उदात्मना राजनेता आज दुर्लभ हैं। सरगुजा के आम व खास सभी के लिए वह उम्मीदों का स्तंभ थे। पार्टी,आमजन व सरगुजा क्षेत्र की उन्होंने जो सेवाएं की है वह स्तुत्य हैं। सरगुजा की धरती सदैव इस महान सपूत की ऋणी रहेगी। उनकी पावन स्मृतियां को सादर नमन..

मुझे उन पर गर्व है...

अनिल कौशिक
क्योड़क,कैथल,हरियाणा

मुझे उन पर गर्व है
नफरत छोड़ जो प्यार बांटते हैं
मुझे उन पर गर्व है।
अपने होकर भी जो गैरों को
अपना बनाते हैं
मुझे उन पर गर्व है।
निलेश बर्ताव कर जो खुद
शर्मसार हैं
मुझे उन पर गर्व है।
बुराई को भूल जो अच्छाई
करते हैं
मुझे उन पर गर्व है।
पाप छोड़कर जो पुण्य कमाते हैं
मुझे उन पर गर्व है।
कठोरता अपना कर जो सज्जन
बने हैं
मुझे उन पर गर्व है।
अभिमान त्याग जो विनम्र बने हैं
मुझे उन पर गर्व है।
शत्रुता रखते हुए जो अनुराग
दिखाते है
मुझे उन पर गर्व है।
असभ्य होकर जो सुलूक निभाते हैं
मुझे उन पर गर्व है।
आलस छोड़ मेहनत कर जो
पेट भरते हैं
मुझे उन पर गर्व है।
बेईमानी करके मंईमान रखते है
मुझे उन पर गर्व है।
बगल में छुरी मुंह में राम ऐसे
दोस्त
मुझे उन पर गर्व है।
सैनिक प्रहरी हैं छशहीद होते हैं
मुझे उन पर गर्व है।

अमेरिका-ईरान सीजफायर : पाक की कूटनीतिक जीत,विश्वगुरु देखता रह गया

संजय सक्सेना,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

दुनिया की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो किसी देश की पहचान और उसकी विदेश नीति की असली परीक्षा लेते हैं। पिछले कुछ महीनों में जो कुछ हुआ,वह भारत के लिए एक गहरी सोच का विषय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग को रोकने में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने जो भूमिका निभाई,उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। ट्रंप ने खुद अपने बयान में साफ़ कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ़ और फील्ड मार्शल मुनीर के अनुरोध पर उन्होंने ईरान पर होने वाले हमले को रोका और दो हफ्ते का संघर्ष विराम स्वीकार किया। यह कोई छोटी बात नहीं थी यह उस वक्त हुआ जब दुनिया एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़ी थी। इससे पहले भी अक्टूबर में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन में ट्रंप ने मंच से शहबाज़ शरीफ़ को धन्यवाद दिया और आसिम मुनीर को मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल कहा। गाज़ा में युद्ध विराम नौ अक्टूबर को लागू हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तान की भूमिका को खुलकर सराहा गया। भारत उस वक़्त कहाँ था? यह सवाल अब सिर्फ़ विपक्षी नेता नहीं,बल्कि दुनिया के कूटनीतिक हलके भी पूछ रहे हैं।भारत की विदेश नीति की एक पुरानी और मज़बूत परंपरा रही है। द्विपक्षीय संबंध,किसी गुट में न जाना, और अपनी स्वायत्तता बनाए रखना। यही नीति नेहरू के ज़माने से चली आ रही है और मोदी सरकार भी इसी रास्ते पर चलती दिखती है। लेकिन आज की दुनिया में जहाँ कूटनीति की जगह संबंधों की गर्मजोशी और व्यक्तिगत रिश्ते तय करते हैं कि किसकी बात मानी जाएगी, वहाँ यह पुरानी नीति काफ़ी नहीं रह गई।मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत रिश्ता हमेशा से चर्चा में रहा है। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे विशाल कार्यक्रम इसी गर्मजोशी की गवाही देते हैं। लेकिन जब ट्रंप ने बार-बार पचास से ज़्यादा मौकों पर कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया, तो भारत ने इसे मानने से इनकार कर दिया और कहा कि यह विराम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत से हुआ। पाकिस्तान ने उसी पल को भाँप लिया और उस खाली जगह को भरने के लिए आगे बढ़ गया।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के उदास इनकार ने एक ऐसी जगह बना दी जिसे मुनीर और शरीफ़ ने तुरंत भर दिया। यह क्या भारत की कूटनीति की एक बड़ी चूक थी। ट्रंप जैसे नेता को श्रेय देना एक छोटी कीमत होती, लेकिन उस श्रेय को न देने की कीमत बहुत बड़ी

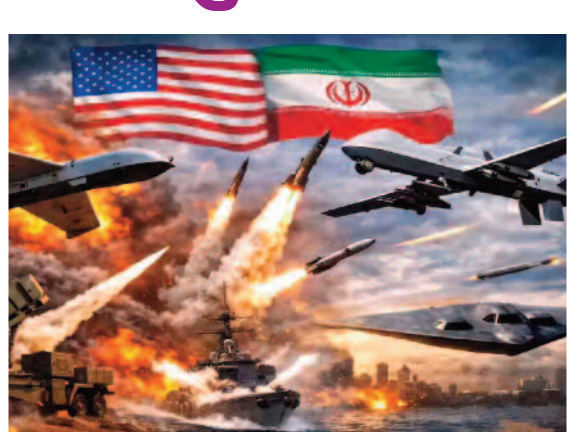

निकली। पाकिस्तान ने ट्रंप की हर उपलब्धि पर तालियां बजाईं, उन्हें शांति का दूत कहा,और काहिरा के शांति सम्मेलन में शरीफ़ ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित तक कर दिया। यह चाहे राजनीतिक चालाकी हो या असली सम्मान, इसने पाकिस्तान को वाशिंगटन की नज़रों में एक भरोसेमंद साझेदार बना दिया।अब सवाल उठता है कि भारत ने मध्य पूर्व में शांति के लिए सक्रिय भूमिका क्यों नहीं निभाई। इसके पीछे कई कारण हैं। पहला भारत की नीति रही है कि वह इजरायल और फिलिस्तीन दोनों से अपने संबंध बनाए रखे। भारत के इजरायल से गहरे रक्षा और तकनीकी संबंध हैं और वह उस पर सार्वजनिक दबाव डालने की स्थिति में नहीं है। दूसरा भारत अरब और मुस्लिम देशों के गुट का हिस्सा नहीं है, इसलिए गाज़ा पर उसकी आवाज़ का वह असर नहीं होता जो पाकिस्तान, तुर्किये या मिस्र की होती है। तीसरा भारत का पूरा ध्यान अपने क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान से संतुलन बनाने पर लगा है, वैश्विक शांति का मध्यस्थ बनने की राजनीतिक इच्छाशक्ति अभी तक नहीं दिखी। लेकिन इस सबके बावजूद एक कड़वी सच्चाई है। पाकिस्तान को इस पूरी कवायद का जो फायदा मिला,वह यह है कि अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध अब नई ऊँचाइयों पर हैं। व्यापार, खनिज,सुरक्षा सहयोग, और क्षेत्रीय रणनीति,सब कुछ एक साथ आगे बढ़ रहा है। ट्रंप ने पाकिस्तानी निवेश के द्वार भी खोले और मुनीर को एक ऐसे नेता की तरह पेश किया जिस पर अमेरिका भरोसा करता है। यह पाकिस्तान की उस छवि से बिल्कुल अलग है जो दशकों से आतंकवाद के समर्थक के रूप में बनी थी। भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। जो देश खुद को विश्वगुरु और एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है,वह जब वैश्विक संकट के समय चुप्पी साधे रहता है,तो दुनिया सवाल पूछती है। भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता है,लेकिन जब बड़े युद्धों को रोकने की बात आती है, तो उसकी भूमिका नदारद रहती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि यह सब उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जहाँ मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष और उसके बाद के युद्ध विराम को लेकर भारत के भीतर ही विपक्ष ने यह आरोप लगाया कि यह ट्रंप के दबाव में स्वीकार किया गया। यानी एक तरफ़ भारत कह रहा है कि वह किसी बाहरी दबाव में नहीं झुका, और दूसरी तरफ़ पाकिस्तान उसी दबाव को अपनी कूटनीतिक उपलब्धि बताकर दुनिया के सामने परोस रहा है। इस कथा-युद्ध में पाकिस्तान आगे निकल गया। असली सवाल यह है कि भारत आगे क्या करेगा। क्या वह अपनी पुरानी नीति पर कायम रहेगा,या वह भी अब सक्रिय कूटनीति की राह पकड़ेगा? दुनिया तेजी से बदल रही है। जो देश अपनी ताकत का इस्तेमाल केवल अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए करते हैं, वे महाशक्ति नहीं बनते। महाशक्ति वह बनता है जो दूसरों के संकट में भी अपनी आवाज़ उठाने की हिम्मत रखता हो और जिसकी बात सुनी जाती हो। पाकिस्तान ने, अपनी तमाम आंतरिक कमजोरियों के बावजूद, यह साबित किया है कि सही वक्त पर सही रिश्ते और सही साहस दिखाने से छोटे देश भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। भारत को इससे सीखना होगा, वरना विश्व गुरु की पदवी केवल भाषणों तक सिमटी रह जाएगी।

आसरा

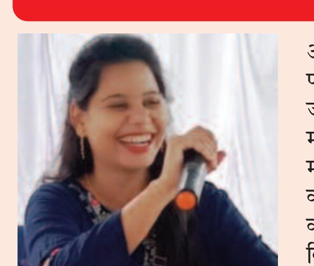

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

सपना देखत-देखत घलो कभू-कभू आँखीं म जाला परे ल लगथे। सपना देखे ले भी ज्यादा जब पूरा होथे त अंतस म उछाह बाढ़ जाथे। लीना अउ ओकर बाबू, दूनों मिल के लीना के बिहाव के सपना देखे रहे। अगास के जावत तक बाप-बेटी के नता ले तो जम्मो मनखे ह परिचित रहिथे;जब बेटी के बिहाव के पारी आथे त अउ का पूछना...!

समय के चक्का ह घूमत रीहिस फेर विधाता ल काय मंजूर रीहिस ते उही जानै। शायद बेटी के भाग म अपन बाप के हाथ म कन्यादान नइ लिखाए रीहिस।समय के चक्का ह तो घूमते रहिथे,ये हर नदिया के पानी जइसे होथे, कतको रोके के उदिम कर ले; समुंदर म समाय बर रद्दा खोज डारथे। बेरा आइस; बेटी के बिहाव बने सरकारी नौकरी वाला लड़का संग तय होगे। घर वाले मन खुशी-खुशी लेन-देन के तैयारी करे ल लागिस।

कन्यादान के बात ल ले के खुसुर-फुसुर होवत रहै परिवार म। अब नोनी के कन्यादान ल कोन करही? एक झन रिश्तेदार ह पूछे के हिम्मत जुटा डारिस। जतेक करीबी रिश्तेदार रहिन, एकङ्कएक पाँव पाछू घुँचगें। काबर...आजकल महंगाई के जमाना हे, कन्यादान ल कर देबो त हमन ल हर बछर तीजा म लाए-लेगे ल परही। एकर बोझा हमन ह अपन मुड़ी म नइ लादन।

झरझर झरझर झरना कस आँसू बोहाय लग गए लीना के महतारी के। हे विधाता! काय करम करे हन, एक झन बेटी के कन्यादान के पुरतन नइ होएन। अपन जोड़ी ल सुरता करत टोटा फार के रोए ल लगीस अउ हाथ जोर के सब ले विनती करिस कि मत लेहू कोनो मोर बेटी के ठेका; मोर बेटी बोझा नइ हे, मँय पूछ ले करहूँ अपन बेटी ल, फेर कन्यादान ल तो कर दौ, एकर बिना सब अधूरा हे। कोनो मनखे के कान म जूँ नइ रेंगिस। माथा धर के बइठगे लीना के दाई ह। भगवान ल सोरियाय लागिस। सब के बनौती ल लीना के बाबू अउ मँय दूनो परानी मिल के बनाए हन आज हमर कोनो नइ हे। ठउका; एक झन दंपति मन देवता सरिक आइस, अउ बोलिस आप मन चिंता झन करौ भऊजी,मोर कोनो लइका नइ हे,का हमन नोनी के कन्यादान कर सकत हन?

लीना के महतारी ह आँखीं खोलिस। तुमन ल चिन्हे-चिन्हे लागत हे भैया, कोन हरौ ते? दंपति ह बताइस कि लीना के बाबू के नानपन के दोस्त हरि हरौं। ओहोहो....माफ कर दे भैया, चिन्हारी नइ आत हौ; गजब दिन बाद भेंट करे हव। तैं चिंता झन कर बेटी लीना, हमन जीयत भर ले तोला पूछबो। तुमन ला भगवान ह भेजे हे भैया, जेकर कोनो नइ हे तेकर भगवान हे। छाती म लदकाए पथरा ह उतर गे अउ लीना के महतारी ह हरि के चरण म घोलन गे।ये सब किस्सा ल देख-सुन के रिश्तेदार के पाँव तरी धरती खिसक गए। बोकबाय मुँह ल देखत रहिगे सब झन। लीना ल एक अउ माँ-बाप मिलगे। फागुन तिहार के बाद बिहाव माढ़सि; सबो रिश्तेदार मन समहर-ओढ़ के पहुँचे लागिन। उही बेरा लीना के महतारी ह छाती ठोक के जम्मो रिश्तेदार ल बोलिस कि तुम्हर कोनो जरूरत नइ हे; तुमन तो सब बाँटे भाई परोसी÷ होगे हव। अब आए हव ता खा-पी के जाहू। फेर अइसन परिवार-रिश्तेदार के बोझा रखे ले काय मिलही जेन एक बेटी ल खुदे बोझा समझथें, जतका रिश्ता-नता मन रिहिन सरम के मारे मुड़ी नवा के अपन-अपन रद्दा रेंगे लागिन।

कोई भी व्यक्ति हमारा मित्र या शत्रु बनकर संसार में नहीं आता, हमारा व्यवहार और शब्द ही लोगों को हमारे मित्र और शत्रु बनाते हैं।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

जिंदगी एक आईना है आप जैसा सोचते हो वैसा ही दिखाता है !!

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 9 अप्रैल को लुण्ड्रा में आयोजित किसान सम्मेलन में होंगे शामिल

लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कार्यक्रम स्थल में तैयारियों का लिया जायजा....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिले में किसान सम्मेलन का आयोजन 9 अप्रैल 2026 को दोपहर 12:00 बजे लुण्ड्रा विकासखण्ड में ग्राम पंचायत लुण्ड्रा के छत्रपति शिवाजी मिनी स्टेडियम में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान वे जिले के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल के साथ बुधवार को कार्यक्रम स्थल पहुंचकर अंतिम तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मंच एवं डोम, बैठक व्यवस्था, ग्रीन रूम, कलाकारों हेतु व्यवस्था, रूट चार्ट, पार्किंग, हितग्राहियों

को सामग्री वितरण, लोकार्पण भूमिपूजन स्थल सहित अन्य तैयारियों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने आपसी समन्वय के साथ गरिमामयी ढंग से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने कहा। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित सम्बंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 09 अप्रैल को अंबिकापुर में पंडित रविशंकर त्रिपाठी एवं शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमाओं का करेंगे अनावरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 09 अप्रैल 2026 को सरगुजा जिला प्रवास के दौरान पंडित रविशंकर त्रिपाठी एवं शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमाओं के अनावरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।अनावरण कार्यक्रम अम्बिकापुर में पीडब्ल्यूडी ऑफिस के पास पंडित रविशंकर त्रिपाठी चौक में दोपहर 02:30 बजे आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री श्री अरुण साव करेंगे। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि आदिम जाति विकास कृषि विकास कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मछलीपालन पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम, वित्त वाणिज्यिक कर आवास एवं पर्यावरण योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री सरगुजा श्री ओपी चौधरी, पर्यटन संस्कृति धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज एवं पूर्व विधानसभा

अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, पूर्व नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा श्री नारायण चन्देल, गृह निर्माण मण्डल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव, राज्य युवा आयोग अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति नगर पालिक निगम अम्बिकापुर श्री हरमिन्दर सिंह टिन्नी, प्रभारी सदस्य महापौर परिषद एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 15 श्री मनीष सिंह एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 16 श्री गीता प्रजापति होंगी।

पांडुलिपियों में निहित ज्ञान परंपरा को बचाने का राष्ट्रीय अभियान छत्तीसगढ़ में भी शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देशभर में 'ज्ञान भारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण'संचालित किया जा रहा है। इस महत्त्वपूर्ण पहल का उद्देश्य देशभर में बिखरी अमूल्य पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण और संरक्षण सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में छत्तीसगढ में भी इस सर्वेक्षण को प्रभावी रूप से लागू करने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है, जिसमें जन-जागरूकता पर विशेष बल दिया जा रहा है। यह सर्वेक्षण उन पांडुलिपियों को खोजने और सूचीबद्ध करने का प्रयास है,जो वर्तमान में परिवारों,मंदिरों, मठों, संस्थानों या निजी संग्रहों में सुरक्षित है,लेकिन अभी तक औपचारिक रूप से सर्वेक्षित नहीं हो पाई हैं। यह पहल इन छिपी हुई ज्ञान-संपदाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सर्वेक्षण के पश्चात सरकार इनका डिजिटाइजेशन और संरक्षण करेगी। पांडुलिपियों का स्वामित्व उनको धारण करने वाले व्यक्ति, परिवार और संस्था का ही रहेगा। ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इसमें पांडुलिपि धारण करने वाले परिवार, संस्था,विद्वान एवं शोधकर्ता मंदिर एवं धार्मिक संस्थान, पुस्तकालय एवं शैक्षणिक संस्थाएं,जागरूक नागरिक के अतिरिक्त, सरकार द्वारा अधिकृत सर्वेक्षक भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। ऐसे नागरिक जिन्हें अपने आसपास पांडुलिपियों की जानकारी है,वे भी इस सर्वेक्षण से जुड़कर महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने के लिए डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। कोई भी व्यक्ति या संस्था अपने पास उपलब्ध पांडुलिपियों को ज्ञानभारतम डॉट कॉम पोर्टल और'ज्ञानभारतम' मोबाइल एप के माध्यम से आवश्यक जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। भारत की पांडुलिपियां केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक,वैज्ञानिक और दार्शनिक विरासत, ज्ञान परंपरा की जीवंत धरोहर हैं। इनमें आयुर्वेद,साहित्य, गणित,खगोल शास्त्र और जीवन दर्शन का अमूल्य ज्ञान संचित है।

ऐसे में इनका संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। राज्य के नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनके पास ऐसी पांडुलिपियां हैं जो अब तक सर्वेक्षित नहीं हैं,या उन्हें किसी स्थान,परिवार या संस्था में पांडुलिपियों की जानकारी है,तो वे इस सर्वेक्षण से अवश्य जुडें। यह राष्ट्रीय अभियान हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ज्ञान की इस विरासत को संजोना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है, आइए मिलकर इसे सुरक्षित करें।

अंबिकापुर में निजी स्कूलों की मनमानी पर शिकंजा,नियम तोडने पर होगी कड़ी कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर के निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों को महंगी किताबें, कॉपियां और यूनिफॉर्म तय दुकानों से खरीदने के लिए मजबूर करने के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को आयोजित बैठक में कई स्कूलों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे, जिसके बाद स्पष्ट निर्देश जारी किए गए। जांच के दौरान सामने आया कि कई बड़े निजी स्कूल निजी प्रकाशकों की महंगी किताबों की सूची तय दुकानदारों को उपलब्ध कराते हैं। इसके बाद अभिभावकों पर वहीं से सामग्री खरीदने का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव बनाया जाता है। इससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। प्रारंभ में स्कूल प्रबंधन ने आरोपों से इंकार किया, लेकिन विस्तृत चर्चा में कई मामलों में मिलीभगत की स्थिति सामने आई। कुछ स्कूलों ने यह भी स्वीकार किया कि वे निश्चित दुकानों को किताबों की सूची देते हैं। बैठक में होली क्रॉस कान्वेंट स्कूल प्रबंधन ने कहा कि संस्था किसी एक दुकान से खरीद के लिए बाध्य नहीं करती। हालांकि, डीईओ द्वारा वन-टू-वन चर्चा में यह स्पष्ट हुआ कि शहर के अधिकांश निजी स्कूल तय दुकानदारों से समन्वय कर अभिभावकों को पहले से तैयार महंगे बंडल खरीदने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

मुंबई से तय किताबें,डीईओ ने जताई आपत्ति : बिरला ओपन माइंड स्कूल ने बताया कि उनकी किताबें मुख्यालय मुंबई से निर्धारित होती हैं और स्थानीय स्तर पर एक ही दुकान से उपलब्ध हैं। इस पर डीईओ ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह व्यवस्था अभिभावकों को एक ही दुकान से खरीदने के लिए बाध्य करती है। साथ ही 12 माह की फीस वसूली पर भी आपत्ति दर्ज की गई, जबकि स्कूलों ने 10 माह की फीस लेने की बात कही।

5 वीं तक निजी प्रकाशकों की किताबें, नियमों का उल्लंघन : कार्मेल स्कूल द्वारा कक्षा 5वीं तक केवल निजी प्रकाशकों की किताबें पढ़ाने की जानकारी दी गई। इस पर डीईओ ने कड़ा रुख अपनाते हुए सीबीएसई एफिलिएशन बाई-लॉ 2018 का हवाला दिया, जिसमें एनसीईआरटी/सीबीएसई पाठ्यक्रम को अनिवार्य बताया गया है।

इन दुकानों के नाम आए सामने : मॉन्टफोर्ट स्कूल प्रबंधन ने स्वीकार किया कि आशा बुक डिपो, राणा ब्रदर्स और अजीत बुक डिपो को पुस्तकों की सूची दी गई है। इस पर डीईओ ने कहा कि यह सीधे तौर पर मिलीभगत को दर्शाता है और यह कार्रवाई योग्य है।

किताबों का खर्च 8 हजार तक,डीईओ नाराज

जांच में पाया गया कि कक्षा 1 से 8 तक किताबों और कॉपियों का खर्च 3500 से 8000 रुपए तक लिया जा रहा है, जो एनसीईआरटी किताबों की तुलना में कई गुना अधिक है। इस पर डीईओ ने नाराजगी जताई। डीईओ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जांच में आरोप सही पाए गए, तो संबंधित स्कूलों पर वसूली गई राशि का 10 गुना तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

जनदर्शन का समय बढ़ाने की मांग,ग्रामीणों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम के समय को लेकर ग्रामीणों में असंतोष देखने को मिल रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सुजान बिंद के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए जनदर्शन का समय बढ़ाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि वर्तमान में जनदर्शन का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित है, जो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए पर्याप्त नहीं है। जिले का भौगोलिक क्षेत्र व्यापक होने के कारण कई ग्रामीण समय पर जिला मुख्यालय नहीं पहुंच पाते। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक वे कलेक्ट्रेट पहुंचते हैं, तब तक जनदर्शन समाप्त हो चुका होता है, जिससे उनकी समस्याएं प्रशासन तक नहीं पहुंच पातीं।

गांजा तस्करी मामले में बड़ी कार्रवाई,उड़ीसा से सप्लायर गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में रघुनाथपुर चौकी पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में शामिल मुख्य सप्लायर को उड़ीसा से गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा पूर्व में इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था, जिनके कब्जे से 4 किलोग्राम अवैध गांजा, घटना में प्रयुक्त आई-20 कार, 6 मोबाइल सहित कुल लगभग 4 लाख 86 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया था कि वे गांजा उड़ीसा के सुंदरगढ़ निवासी नंदकुमार साहू उर्फ नंदा से खरीदकर लाते थे और स्थानीय स्तर पर बेचते थे। आरोपियों की निशानदेही और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने सप्लायर नंदकुमार

साहू (36 वर्ष) को उड़ीसा से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर की गई। पुलिस को 26 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आई-20 कार में सवार कुछ लोग गांजा लेकर गंगापुर में बिक्री करने वाले हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर चार आरोपियों को मौके से पकड़ा था। गिरफ्तार आरोपियों में हेमसागर यादव, खीरो यादव, भूपेंद्र यादव और मुरारी लाल चौबे शामिल हैं। इनसे पूछताछ के बाद सप्लायर तक पहुंच बनाई गई। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है। इस पूरी कार्रवाई में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आर.एन. पटेल सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहर की बुनियादी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने निगमायुक्त को ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर की विभिन्न आवश्यक सुविधाएं जिसमें प्रमुख रूप से समस्त विद्युत स्ट्रीट लाइट की तत्काल प्रभाव से मरम्मत एवं समय समय पर नियमित रखरखाव करने और चौपाटी पर लगभग प्रति दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचने के लिए चौपाटी क्षेत्र को 'वाकिंग स्ट्रीट' घोषित करने की मांग को लेकर एआईसीसी के सम्मानित सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव जी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल के द्वारा सम्मानित निगमायुक्त महोदय से मुलाक़ात कर अपनी बात रखी। जैसा कि हम सभी को ज्ञात है कि कुछ दिनों पूर्व शहर के एक प्रमुख स्थल सद्भावना चौक के बिल्कुल समीप एक महिला के साथ बलात्कार कर बहुत ही भयावह तरीके से हत्या कर दी गई। सबसे शर्मनाक बात ये है कि आज दिनांक तक वह अपराधी कानून की गिरफ्त से दूर है। यदि उस रात के मामले को ध्यान से देखा जाए तो उक्त चौक एवं रिंग रोड पर स्ट्रीट लाइट खराब थी जिस से निःसंदेह ही अपराधी का मनोबल मजबूत हुआ होगा। शहर के अंतर्गत आने वाले रिंग रोड की समस्त स्ट्रीट लाइट का अगर आंकलन किया जाए तो समस्त लाइटों में सिर्फ 25 से 30 प्रतिशत ही स्ट्रीट लाइट चालू हैं, बाकि सभी खराब हैं जिस को प्राथमिकता से संज्ञान में ले कर दुरुस्त कराना अनिवार्य

है। निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले करीब करीब सभी 48 वार्डों की समीक्षा की जाए तो आधी से ज्यादा स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हैं जिनका तत्काल प्रभाव से मरम्मत कराना अनिवार्य है। इसके साथ ही शहर सीमा के अंतर्गत आने वाले समस्त चौकों के मध्य में हाई मास्ट लाइट लगाना चाहिए एवं आवश्यकतानुसार समय समय पर रखरखाव होना चाहिए। शहर की दूसरी प्रमुख आवश्यकता ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करना है जिस में शहर के हृदय स्थल 'चौपाटी' पर पार्किंग की अनियमितता के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस स्थिति से बचने के लिए चौपाटी को बड़े शहरों की तर्ज पर 'वाकिंग स्ट्रीट' घोषित कर दिया जाए जिस में किसी भी प्रकार के दोपहिया एवं चार पहिया वाहन का प्रवेश वर्जित रहे। जोड़ा पीपल की तरफ से आने वाले मार्ग को नगर निगम की पूर्व बिल्डिंग के बाद से पार्किंग हेतु उपयोग में लिया जाए ताकि यदि किसी वाहन को अन्यत्र जाना हो तो वह घड़ी चौक, गांधी चौक होते हुए आकाशवाणी चौक की तरफ सुविधा पूर्वक जा सके। इस मार्ग पर शिव मंदिर से पहले जहां से चौपाटी की सीमा आरंभ होती है वहां पर एवं आकाशवाणी चौक की तरफ से आने पर इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम की सीमा के पश्चात बैरिकेडिंग कर के चौपाटी की वाहन पार्किंग हेतु उपयोग में लाया जा सकता है। इसी प्रकार चोपड़ा पारा की ओर जाने वाली मुख्य मार्ग को भी पार्क के दोनों तरफ से बैरिकेडिंग कर पार्किंग हेतु उपयोग में लाया जा सकता है। यदि प्रारंभ में उचित लगे तो प्रयोग करने हेतु प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से रात्रि दस बजे तक सांकेतिक बैरिकेडिंग कर के देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त यदि प्रशासन को उचित लगे तो यथोचित वाहन पार्किंग शुल्क भी लगा सकता है। इस से ना केवल नगर निगम की आय में वृद्धि होगी, इसके साथ ही रोजग़ार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। आयुक्त से निवेदन किया गया कि उपरोक्त सभी मांगो पर विचार विमर्श करते हुए प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु उचित कदम उठाएँ जिस से हमारा अम्बिकापुर देश के अन्य स्थानों के लिए एक सुरक्षित और व्यवस्थित शहर की मिसाल पेश कर सके।

प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ, सरगुजा के अध्यक्ष अमित तिवारी राजा,पार्षद हसन खान, निक्की खान, पार्षद शुभम जायसवाल,तरनराज बाबरा,शिवांशु गुप्ता,अतुल तिवारी एवं अन्य कांग्रेस पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

CMYK

दैनिक घटती घटना की खबर का असर : एमसीबी शिक्षा विभाग में बदला प्रभार,कलेक्टर ने सुधारी व्यवस्था

उच्च वर्ग शिक्षक से हटाकर व्याख्याता को सौंपी गई जिम्मेदारी,प्राचार्य-व्याख्याताओं के विरोध के बाद प्रशासन हरकत में...

- सुशासन बनाम मनमानी पर लगा विराम : खबर के बाद बदला शिक्षा विभाग का फैसला
- विरोध के बाद झुका प्रशासन,उच्च वर्ग शिक्षक से हटाकर व्याख्याता को मिला प्रभार
- खबर छपी,आदेश बदलाः कलेक्टर ने तुरंत किया शिक्षा विभाग में सुधार
- एमसीबी में व्यवस्था पर सवाल के बाद एक्शन : शिक्षा विभाग में प्रभार संशोधित
- गलत नियुक्ति पर बैकफुट पर प्रशासन : खबर के बाद बदला गया आदेश

-संवाददाता-
एमसीबी,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले में शिक्षा विभाग में प्रभार को लेकर उठे विवाद पर प्रकाशित समाचार का असर अब साफ दिखाई देने लगा है, दैनिक घटती घटना में खबर प्रकाशित होने के बाद कलेक्टर एमसीबी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया और सहायक जिला परियोजना अधिकारी (शिक्षा) के पद पर किए गए प्रभार में बदलाव कर दिया। यह निर्णय लंबे समय से चल रहे विरोध और असंतोष के बाद लिया गया है। एमसीबी जिले में शिक्षा विभाग का यह मामला अब एक बड़े प्रशासनिक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जहां मीडिया की खबर के बाद त्वरित कार्रवाई हुई, यह घटनाक्रम यह भी दर्शाता है कि यदि मुद्दे को प्रभावी तरीके से उठाया जाए तो प्रशासनिक सुधार संभव है, अब जिले के शिक्षकों और आम लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि यह बदलाव केवल एक निर्णय तक सीमित रहता है या व्यापक सुधार की दिशा में आगे बढ़ता है।

क्या था पूरा मामला

एमसीबी जिले के शिक्षा विभाग में सहायक जिला परियोजना अधिकारी (शिक्षा) के पद पर हाल ही में एक उच्च वर्ग शिक्षक को प्रभार दिया गया था, इस नियुक्ति के बाद जिले के प्राचार्यों और व्याख्याताओं में असंतोष फैल गया। उनका कहना था कि यह पद वरिष्ठ श्रेणी का है और इस पर प्राचार्य या व्याख्याता स्तर के अधिकारी को ही जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, विरोध करने वाले शिक्षकों का तर्क था कि उच्च वर्ग शिक्षक का पद व्याख्याता और प्राचार्य से कनिष्ठ होता है, ऐसे में कनिष्ठ अधिकारी को वरिष्ठों पर प्रशासनिक जिम्मेदारी देना नियमों और कार्यप्रणाली दोनों के खिलाफ है।

शिक्षकों में दिखा संतोष, पर पूरी तरह नहीं थमा मुद्दा-प्रभार परिवर्तन के बाद प्राचार्यों और व्याख्याताओं में आंशिक संतोष देखने को मिला है। उनका कहना है कि यह निर्णय पद की गरिमा और प्रशासनिक संतुलन के अनुरूप है, हालांकि, शिक्षकों का यह भी कहना है कि यह सिर्फ एक मामले का समाधान है,जबकि जिले में ऐसे कई और उदाहरण हैं जहां पदानुसार प्रभार नहीं दिए गए हैं।

खबर प्रकाशित होने के बाद बढ़ा दबाव

दैनिक घटती घटना में इस पूरे मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया, जिसमें 'सुशासन या मनमानी' जैसे सवाल उठाए गए थे,खबर सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हलचल तेज हो गई और मामला जिला प्रशासन तक पहुंचा,सूत्रों के अनुसार, खबर के बाद लगातार अधिकारियों के बीच चर्चा हुई और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने हस्तक्षेप किया।

कलेक्टर ने किया प्रभार में बदलाव

मामले पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर एमसीबी ने तत्काल प्रभाव से आदेश जारी कर प्रभार में बदलाव कर दिया, उच्च वर्ग शिक्षक से प्रभार वापस लिया गया, सहायक जिला परियोजना अधिकारी (शिक्षा) का प्रभार अब व्याख्याता टी. विजय गोपाल राव को सौंपा गया,टी.विजय गोपाल राव वर्तमान में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेंद्रगढ़ में व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं।

अन्य पदों पर भी उठी समीक्षा की मांग

इस घटनाक्रम के बाद अब जिले के शिक्षकों ने अन्य पदों को लेकर भी आवाज उठानी शुरू कर दी है, विशेष रूप से सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी जैसे पदों पर भी पदानुसार नियुक्ति की मांग तेज हो गई है, शिक्षकों का कहना है कि पूर्व में किए गए प्रभार आदेशों की समीक्षा हो,वरिष्ठता और पद के अनुरूप जिम्मेदारी तय की जाए, प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाई जाए।

सुशासन पर उठे सवाल

इस पूरे मामले ने सुशासन की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, शिक्षकों का मानना है कि यदि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति करते समय नियमों और पद की श्रेणी का ध्यान नहीं रखा जाएगा, तो इससे प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है, उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के निर्णयों से कार्यप्रणाली में असंतुलन पैदा होता है और अधीनस्थ एवं वरिष्ठ अधिकारियों के बीच समन्वय प्रभावित होता है।

प्रशासन की भूमिका और आगे की उम्मीदें

कलेक्टर द्वारा त्वरित कार्रवाई को प्रशासन की सक्रियता के रूप में देखा जा रहा है,इससे यह संकेत मिला है कि जनहित से जुड़े मामलों और मीडिया में उठाए गए मुद्दों पर प्रशासन संवेदनशील है,अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या अन्य विवादित प्रभारों में भी इसी तरह सुधार किया जाएगा? क्या शिक्षा विभाग में पूरी तरह पदानुसार व्यवस्था लागू होगी?

3.18 करोड़ से बनेगा जोगीनाला पुल-सड़क, 'गांव चलो-बस्ती चलो'अभियान के साथ विकास को रफ्तार

महुवापारा-देवीपुर मार्ग की वर्षों पुरानी मांग पूरी,भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर लिया योजनाओं का फीडबैक

-संवाददाता-
एमसीबी,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर नगर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित महुवापारा-देवीपुर मार्ग पर जोगीनाला में पुल एवं सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है, करीब 3.18 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस कार्य से क्षेत्रवासियों को खासकर बरसात के मौसम में बड़ी राहत मिलेगी, इसी के साथ भाजपा ने 'गांव चलो-बस्ती चलो' अभियान की शुरुआत कर जनसंपर्क भी तेज कर दिया है। सूरजपुर नगर में लंबे समय से लंबित जोगीनाला पुलिया और सड़क निर्माण की मांग अब पूरी होने जा रही है, वार्ड क्रमांक 15 के महुवापारा-देवीपुर मार्ग पर बनने वाले इस पुल और सड़क के लिए लगभग 3 करोड़ 18 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है, यह निर्माण कार्य क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए राहत लेकर आएगा, जो हर साल बारिश में आवागमन की भारी परेशानी झेलते थे, स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही विधायक भूलन सिंह मरावी द्वारा किए गए वादे को पूरा करने पर उन्हें धन्यवाद दिया गया। लोगों ने इसे नगर विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया।

'गांव चलो-बस्ती चलो' अभियान की शुरुआत-इसी अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल सूरजपुर शहर द्वारा 'गांव चलो-बस्ती चलो' अभियान का शुभारंभ वार्ड क्रमांक 15 महुआपारा से किया गया, अभियान का नेतृत्व विधायक भूलन सिंह मरावी ने किया, इस दौरान कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की और योजना के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया, लाभार्थियों ने योजना का लाभ मिलने पर केंद्र और राज्य सरकार के प्रति संतोष जताया, अभियान दल ने इसके बाद वार्ड क्रमांक 17 और 18 में भी जनसंपर्क कर योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। लोगों में योजनाओं को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

समरसता भोज और आयोजन-कार्यक्रम की शुरुआत विधिविधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद पिंकी साहू के निवास पर समरसता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन राजू देवांगन ने किया।

कार्यक्रम में शामिल प्रमुख लोग-भूमिपूजन कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े,पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलवला,पूर्व नपा अध्यक्ष थलेश्वर साहू, उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल,महामंत्री राजू देवांगन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि,कार्यकर्ता और वार्डवासी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों के बयान

- **विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा**...जोगीनाला पुल और सड़क निर्माण से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी, हमने जो वादा किया था, उसे पूरा करने का काम कर रहे हैं। सरकार हर वार्ड तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।
- **अजय अग्रवाल ने कहा**...यह पुल और सड़क वर्षों से लोगों की प्रमुख मांग थी। इसके बनने से आवागमन सुरक्षित और आसान होगा।
- **शशिकांत गर्ग ने कहा**...यह कार्य क्षेत्र के समग्र विकास का प्रतीक है, सरकारी योजनाएं तेजी से जमीन पर उतर रही हैं।
- **अरविंद मिश्रा ने कहा**...पुल और सड़क बनने से स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। नगर विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं।

6-बेडेड हाई डिपेंडेंसी यूनिट शुरू,गंभीर मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिसन विभाग में 6-बेडेड हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) का उद्घाटन अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम द्वारा किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या, मेडिसन विभागाध्यक्ष डॉ.पंकज टेम्भुर्निकर,एनेस्थेसिया विभागाध्यक्ष डॉ.राकेश निगम, ऑर्थो पेडिक्स विभागाध्यक्ष डॉ.अरूणेश सिंह,एनेस्थीजिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश निगम, एनेस्थीजिया विशेषज्ञ डॉ आशा बंसल,मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. मो. शागिल डॉ. नवनीत दुबे सहित अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकगण, अन्य चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं सपोर्टिंग स्टाफ उपस्थित थे। इस 6-बेडेड एचडीयू की स्थापना का मुख्य उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार मरीजों को बेहतर निगरानी एवं उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इस यूनिट में आधुनिक मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑक्सीजन सपोर्ट,मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर तथा आवश्यक जीवनरक्षक उपकरणों की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे मरीजों की निरंतर एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम ने बताया कि यह सुविधा विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी होगी, जिन्हें ढ्रष्ट जैसी गहन देखभाल की आवश्यकता तो नहीं होती, लेकिन सामान्य वार्ड की तुलना में अधिक निगरानी की जरूरत होती है। इस एचडीयू के प्रारंभ होने से अस्पताल में उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा तथा मरीजों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो सकेगा।

ऐसे मरीजों को मिलेगा लाभ : डीन ने बताया कि यह यूनिट विशेष रूप से उन मरीजों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, जिन्हें सामान्य वार्ड से अधिक लेकिन ढ्रष्ट से कम गहन देखभाल की आवश्यकता होती है, जैसे–गंभीर संक्रमण, पोस्ट-ऑपरेटिव केयर तथा हृदय एवं श्वसन संबंधी समस्याओं से ग्रसित मरीज।

एचडीयू की प्रमुख विशेषताएं

1. प्रत्येक बेड पर मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर की सुविधा
2. ऑक्सीजन सप्लाई एवं सेंट्रलाइज्ड गैस पाइपलाइन सिस्टम
3. हाई-फ्लो ऑक्सीजन एवं आपातकालीन वेंटिलेशन सपोर्ट
4. कार्डियक मॉनिटरिंग एवं निरंतर निगरानी की व्यवस्था
5. प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ एवं 24म7 चिकित्सकीय निगरानी

जर्जर व्यवस्था के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन 7 दिन में सुधार नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

-संवाददाता-
प्रतापपुर,08 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शासकीय कालीदास महा विद्यालय,प्रतापपुर में व्याप्त जर्जर व्यवस्था को लेकर एनएसयूआई ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। महाविद्यालय में भवन की खराब स्थिति, टूटी बाउंड्रीवाल,अस्वच्छ शौचालय और पेयजल संकट को लेकर एनएसयूआई पदाधिकारियों व छात्र-छात्राओं ने जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। यह ज्ञापन कलेक्टर सूरजपुर के नाम अनु विभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रतापपुर के माध्यम से सौंपा गया। एनएसयूआई नेताओं ने बताया कि विकासखंड प्रतापपुर का एकमात्र शासकीय कालीदास महाविद्यालय लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में संचालित हो रहा है। भवन की स्थिति बेहद जर्जर हो चुकी है, जिससे छात्रों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। कई स्थानों पर दीवारें और छत क्षतिग्रस्त हैं, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। महाविद्यालय परिसर की बाउंड्री वाल भी जगह-जगह से टूटी हुई है, जिसके कारण असामाजिक तत्वों का प्रवेश बना रहता है।

इससे शैक्षणिक वातावरण प्रभावित होने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा शौचालयों की स्थिति अत्यंत खराब और अस्वच्छ है। नियमित साफ-सफाई नहीं होने के कारण छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या भी गंभीर बनी हुई है, जिससे छात्रों को बाहर से पानी लाना पड़ता है।

ब्लॉक अध्यक्ष विनय कुमार चौधरी ने स्पष्ट कहा कि यदि 7 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो एनएसयूआई छात्र हित में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

गर्मी में ठंड व शुध्द पानी के लिए अस्पताल में नए वाटर कूलर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अम्बिकापुर के दर्रीपारा स्थित अनोखी सोच संस्था द्वारा चिकित्सालय परिसर में ठंडे एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था के लिए एक वाटर कूलर दान स्वरूप प्रदान किया गया। इस वाटर कूलर के माध्यम से अब अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को गर्मी के मौसम में ठंडा एवं शुद्ध पानी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा, जिससे उन्हें राहत मिलेगी तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी बचाव होगा। इस एक नये वाटर कूलर के साथ चिकित्सालय में अब कुल 16 वाटर कूलर एवं एक वाटर एटीएम की सुविधा स्वच्छ पेयजल हेतु मिलेगा। वाटर कूलर का शुभारंभ महाविद्यालय के डीन डॉ. अविनाश मेश्राम एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अनोखी सोच संस्था के इस सराहनीय एवं जनहितकारी कार्य की प्रशंसा करते हुए संस्था के सदस्यों को बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। डीन एवं अधीक्षक ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सहयोग से अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में सहायता मिलती है और समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सालय के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं संस्था के अभय साहू एवं सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

खड़े ट्रक की रस्सी में फंसकर बाइक सवार की मौत,पुलिस पर लापरवाही का लग रहा आरोप

-संवाददाता-
लखनपुर,08 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

एक दिन पहले हुए हादसे में क्षतिग्रस्त ट्रक को नेशनल हाईवे से हटाने में नाकाम रहने वाली पुलिस की वजह से मंगलवार रात करीब 9 बजे एक और दुर्घटना हो गई, जिसमें 40 वर्षीय सीआईएसएफ जवान विनय टोप्पो की मौत हो गई। मृतक विनय टोप्पो पिता : एल्विश टोप्पो निवासी भगवानपुर,अंबिकापुर, एनटीपीसी कोरबा में सीआईएसएफ में तैनात था। वह अपनी स्प्लेंडर बाइक (CG07 BT 6990) पर कोरबा से अपने घर अंबिकापुर लौट रहा था। रास्ते में ग्राम रजपुरीकला के अमेरा कोल खदान गेट के पास एक दिन पहले हुए हादसे में क्षतिग्रस्त ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। ट्रक से लटक रही रस्सी में बाइक फंसते ही विनय अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार खून बहने से मौत घटनास्थल पर ही हो चुकी थी, फिर भी उन्हें अंबिकापुर ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

रजपुरीकला बन गया मौत का अड्डा : बताया जा रहा है कि रजपुरीकला इलाका इन दिनों सड़क दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट बन गया है। मात्र दो दिनों में यहां दो लोगों की जान जा चुकी है। पुलिस प्रशासन की नाकामी साफ दिखाई दे रही है। एक दिन पहले हुए हादसे में ट्रक क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर खड़ा था, लेकिन 24 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद पुलिस ने उसे नेशनल हाईवे 130 से हटाने की कोई व्यवस्था नहीं की। यही लापरवाही दूसरे व्यक्ति की जान ले बैठी।

आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के समक्ष तीन मांगें रखीं:

- नेशनल हाईवे 130 पर रजपुरीकला-अमेरा खदान चौराहे पर लाइट ब्रेकर और सांकेतिक बोर्ड लगाए जाएं।
- दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समय-समय पर पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग की जाए।
- क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए।
- एसडीओपी ने ग्रामीणों को इन मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है।

रुद्री थाना कांड : दैनिक 'घटती-घटना' की आशंका सही?

रिहाई के बाद सामने आई वही कहानी

■ रुद्री थाना कांड : 110 दिन बाद रिहाई,'लूट-डकैती' पर सवाल गहराए–आरोपियों ने बताया सुनियोजित षड्यंत्र

■ दैनिक 'घटती-घटना' की शुरुआती आशंका को मिला बल,नागेंद्र पटेल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर आरोप; पुलिस कार्रवाई, एफआईआर और पूरी कहानी पर उठे बड़े सवाल

■ रुद्री थाना कांड : 110 दिन बाद रिहाई, 'लूट' या 'षड्यंत्र'–सवालों के घेरे में पूरा मामला

■ गिरफ्तारी पर उठे सवाल अब हुए मजबूत, रिहाई के बाद आरोपियों ने खोली 'साजिश' की परतें

■ लूट-डकैती या सुनियोजित षड्यंत्र? रिहाई के बाद नागेंद्र पटेल का बड़ा खुलासा

■ रुद्री कांड में नया मोड़ : आरोपी बोले–मामला कुछ और था, कहानी कुछ और बनाई गई

-न्यूज डेस्क-

रायपुर,08 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। धमतरी जिले के रुद्री थाना में नवंबर 2025 में दर्ज कथित लूट और डकैती का मामला अब 110 दिनों बाद एक नए मोड़ पर पहुंच गया है,इस मामले में आरोपी बनाए गए कोरिया जिले के निवासी और हिंदू संगठन से जुड़े नागेंद्र पटेल को जमानत मिलने के बाद पूरे घटनाक्रम को लेकर कई नई बातें सामने आई हैं, जिन्होंने शुरुआत से ही उठ रहे संदेहों को और मजबूत कर दिया है।

गौरतलब है कि ग्राम सोरम निवासी कोनाल साहू द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर इस मामले को लूट और डकैती की गंभीर घटना के रूप में प्रस्तुत किया गया था,पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नागेंद्र पटेल सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कई ऐसे पहलू सामने आए थे, जिन पर दैनिक 'घटती-घटना' ने शुरू से ही सवाल उठाए थे,अब रिहाई के बाद नागेंद्र पटेल द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस और जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्हीं बिंदुओं को विस्तार से रखा गया है, जिन्हें पहले संदेह के रूप में देखा जा रहा था,नागेंद्र पटेल ने साफ शब्दों में कहा है कि यह मामला लूट या डकैती का नहीं,बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र है, जिसमें उन्हें और उनके साथियों को फंसाया गया है, इस पूरे प्रकरण में एक ओर शिकायतकर्ता कोनाल साहू का आरोप है कि उनके घर में लूट की घटना हुई,वहीं दूसरी ओर नागेंद्र पटेल,रामचंद्र देवांगन और हितेश प्रताप सिंह जैसे नामजद आरोपियों का कहना है कि वे केवल एक शिकायत के समाधान के लिए बातचीत करने पहुंचे थे,अब जब यह मामला न्यायिक प्रक्रिया में है और आरोपी जमानत पर रिहा हो चुके हैं,तो यह सवाल और गहरा हो गया है कि आखिर सच्चाई क्या है? क्या यह वाकई एक आपराधिक घटना थी,या फिर एक विवाद को आपराधिक रूप देकर प्रस्तुत किया गया?

पॉलीग्राफी और नार्को टेस्ट की मांग

मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए आरोपियों ने शिकायत कर्ता कोनाल साहू का पॉलीग्राफी और नार्को टेस्ट कराने की मांग की है, उन्होंने कहा कि इससे सच्चाई स्पष्ट हो जाएगी।

अब आगे क्या?

मामला अब न्यायालय में विचाराधीन है और आगे की जांच तथा सुनवाई के बाद ही सच्चाई सामने आएगी,यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या आरोप सिद्ध होते हैं या फिर षड्यंत्र की बात साबित होती है? रुद्री थाना कांड अब केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि एक जटिल और बहुस्तरीय विवाद बन चुका है,एक ओर शिकायतकर्ता के गंभीर आरोप हैं,तो दूसरी ओर आरोपियों के पास अपने बचाव में साक्ष्य और तर्क हैं,अब अंतिम सच्चाई न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ही सामने आएगी,लेकिन फिलहाल यह मामला कई सवालों के साथ खड़ा है–और हर सवाल का जवाब अभी बाकी है।

धमतरी-रुद्री थाना कांड : क्या सच में 'एसीबी अधिकारी' बनकर लूट या फिर कहानी कुछ और...और बड़ा राज छिपा हुआ है?

एसीबी की वर्दी या कहानी का पर्दा? धमतरी कांड की परतें खुलने लगी,अपने ही गांव में पहचान छिपाकर लूट? रुद्री केस में बड़ा सवाल

- घर में 8 मोबाइल...किस काम के? एफआईआर से बड़ा है पार्टी का राज़?
- सीसीटीवी का आधा फुटेज गायब...लूट की कहानी या कहानी की लूट?
- भाजयुमो अध्यक्ष से बजरंग दल कार्यकर्ता तक...क्या किसी बड़े विवाद का परिणाम है यह एफआईआर?
- एसीबी अधिकारी बनकर लूट? तीनों आरोपी प्रदेशभर में पहचाने जाते हैं कहानी मेल नहीं खाती...
- धमतरी की एफआईआर में छिपा दूसरा अध्याय...क्या यह सिर्फ लूट नहीं?
- पहचान छिपाने का दावा, पर आरोपी इलाके के ही! एफआईआर की स्क्रिप्ट पर उठे सवाल...
- एसीबी बनकर लूट या लूट बनाकर एसीबी? रुद्री कांड की असली दिशा कुछ और बताती है...

दैनिक 'घटती-घटना' की भूमिका

इस पूरे मामले में दैनिक 'घटती-घटना' की भूमिका भी चर्चा में रही है,अखबार ने शुरुआत में ही इस मामले को लेकर संदेह व्यक्त किया था और कई सवाल उठाए थे,अब आरोपियों के बयान उन सवालों से मेल खाते नजर आ रहे हैं।

एफआईआर और घटनाक्रम : कैसे शुरू हुआ पूरा मामला

नवंबर 2025 में धमतरी जिले के रुद्री थाना में ग्राम सोरम निवासी कोनाल साहू द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी, शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनके घर में घुसकर लूट और डकैती की घटना को अंजाम दिया गया, इस एफआईआर में कोरिया जिले के नागेंद्र पटेल, रामचंद्र देवांगन (विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री एवं पूर्व सैनिक) और हितेश प्रताप सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया,पुलिस ने शिकायत के आधार पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करते हुए तत्काल कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गिरफ्तारी पर शुरुआती सवाल और मीडिया रिपोर्ट

घटना के सामने आते ही दैनिक 'घटती-घटना' ने इस मामले को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे,रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई थी कि घटना का वास्तविक स्वरूप कुछ और हो सकता है, आरोपों और घटनाक्रम में कई विसंगतियां हैं,पूरे मामले में कुछ तथ्य छिपाए जा रहे हैं,यह सवाल उस समय केवल संदेह के रूप में थे,लेकिन अब रिहाई के बाद सामने आए बयानों ने इन आशंकाओं को और मजबूत कर दिया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नागेंद्र पटेल का बड़ा खुलासा

110 दिन बाद जमानत पर रिहा होने के बाद नागेंद्र पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले को षड्यंत्र बताया,उन्होंने कहा कि यह मामला लूट-डकैती का नहीं था वे एक संगठन कार्यकर्ता उमेश साहू की शिकायत पर बातचीत के लिए गए थे,कोनाल साहू के साथ शांतिपूर्ण चर्चा हुई और वे वापस लौट आए,उन्होंने आरोप लगाया कि इस सामान्य बातचीत को जानबूझकर आपराधिक रूप दिया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में विस्तृत आरोप और साक्ष्य

जारी प्रेस विज्ञप्ति में नागेंद्र पटेल और रामचंद्र देवांगन ने संयुक्त रूप से कहा है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पूरी तरह निराधार, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है,उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उनकी छवि धूमिल करने और उन्हें फंसाने के उद्देश्य से की गई है।

सीसीटीवी और ऑडियो साक्ष्य का दावा

आरोपियों ने अपने पक्ष में कई साक्ष्य होने का दावा किया है, जिनमें घर में प्रवेश और बाहर निकलने का सीसीटीवी फुटेज,ऑडियो रिकॉर्डिंग, मोबाइल वीडियो,प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,सीसीटीवी फुटेज में कहीं भी लूट,मारपीट या हिंसा जैसी स्थिति दिखाई नहीं देती।

पुलिस कार्रवाई पर गंभीर आरोप

नागेंद्र पटेल ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना प्रारंभिक जांच के एफआईआर दर्ज की गई,गिरफ्तारी पहले और एफआईआर बाद में दर्ज हुई,आरोपियों से पर्याप्त पूछताछ नहीं की गई, उन्होंने इसे न्याय प्रक्रिया के विपरीत बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

षड्यंत्र और पुरानी दुश्मनी का एंगल

आरोपियों ने यह भी संकेत दिया कि पूरे मामले के पीछे पुरानी दुश्मनी या व्यक्तिगत विवाद हो सकता है,उनका कहना है कि इसी दुश्मनी को आधार बनाकर उन्हें फंसाने की साजिश रची गई और उसे कानूनी रूप दिया गया।

भूपेश बघेल आज रात 8 बजे सूरजपुर पहुंचेंगे,सर्किट हाउस में करेंगे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात

10 अप्रैल को आदिवासी प्रशिक्षण शिविर में होंगे शामिल,तीन दिवसीय आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी

-संवाददाता-

सूरजपुर,08 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 9 अप्रैल को रात 8:00 बजे सूरजपुर पहुंचेंगे,यहां वे सर्किट हाउस में विश्राम करेंगे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। बता दे की पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल का सूरजपुर दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार 9 अप्रैल को रात 8:00 बजे होगा,वे सूरजपुर पहुंचने के बाद न्यू सर्किट हाउस में ठहरेंगे,जहां उनका विश्राम निर्धारित है,इसी दौरान वे जिले के

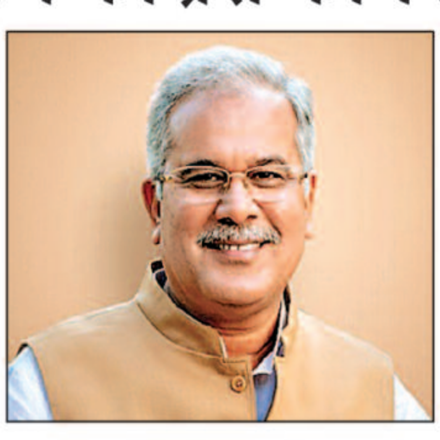

कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से भेंट-मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है,जिसमें आगामी रणनीतियों और संगठन की गतिविधियों पर चर्चा होने की संभावना है।

10 अप्रैल को शिविर में होंगे शामिल

अगले दिन 10 अप्रैल को भूपेश बघेल गोंडवाना भवन, रिंग रोड में आयोजित आदिवासी कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे,यह शिविर आदिवासी अधिकार और सशक्तिकरण पर केंद्रित रहेगा।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

10 से 12 अप्रैल तक आयोजित इस संभाग स्तरीय शिविर में सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों–सूरजपुर,सरगुजा,बलरामपुर,जशपुर,कोरिया और मनेन्द्रगढ़ से चयनित प्रतिभागी भाग लेंगे,शिविर का संचालन अखिल भारतीय स्तर के प्रशिक्षकों द्वारा किया जाएगा।

नेताओं की रहेगी मौजूदगी

शिविर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ-साथ अन्य विधायक, पूर्व मंत्री,पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी अलग-अलग दिनों में शामिल होंगे,भूपेश बघेल के इस दौरे से सूरजपुर जिले में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है,वहीं आदिवासी प्रशिक्षण शिविर को सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन माना जा रहा है।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी)

जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छत्तीसगढ़)

/ / निविदा सूचना / /

क्रमांक/आर./ठेका/2026/ बलरामपुर, दिनांक 06/04/2026

सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है, कि बलरामपुर जिले में नवीन कम्पोजिट विदेशी मदिरा दुकान रघुनाथनगर, जनपद पंचायत वाड्रफनगर का संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 की अवधि के लिए दुकान / भवन सह परिसर भाड़े में लेने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है अतः इच्छुक निविदाकारों से सीलबंद लिफाफे में निम्न विवरण अनुसार निविदा प्रपत्र यथा दुकान का नाम, अवस्थिति एवं निविदा की शर्तें व अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालय, जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल., बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) के कार्यालय से अवकाश के दिनों को छोड़कर शेष दिवसों में प्राप्त की जा सकती है।

1. निविदा फार्म की कीमत	- 1000/- (डी.डी./चेक जो जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. बलरामपुर के नाम से देय हो)
2. निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि	- 21.04.2026 दोपहर 12:00 बजे तक
3. निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	- 21.04.2026 दोपहर 1:00 बजे तक
4. तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	- 21.04.2026 दोपहर 03.00 बजे
5. तकनीकी निविदा के भौतिक स्थल परीक्षण हेतु समयावधि दिनांक	- 24.04.2026
6. तकनीकी निविदा में सफल आवेदकों के चयन की तिथि	- 27.04.2026 शाम 03:00 बजे
7. वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	- 28.04.2026 शाम 04:00 बजे

जी नंबर-262700074/2

Digitally signed by RAJENDRA KUMAR KATARA Date: 06-04-2026 15:45:01

कलेक्टर
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुशिया देवी आ0 जनक कुमार जाति ठठेरा, निवासी मिशन चौक केदारपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 47 / 26 रकबा 0.12 एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लालझरी देवी आ0 सीताराम सिंह जाति क्षत्रीय, निवासी तिवारी बिल्डिंग रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 47/6, 80 / 3 रकबा 0.24, 0.10 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/20260302120065 /अ-20(3) /2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक वीर विक्रम सिंह बाबरा आ0 परमबीर सिंह बाबरा, जाति सिक्ख, निवासी बाबरा हाउस देवीगंज रोड बाबरा काम्पलेक्स अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर - 03 मोहल्ला कम्पनी बाजार, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1350 रकबा 0.10 एकड़ भूमि एवं मकान को अनावेदक / क्रेता आलोक जायसवाल आ0 स्व0 कन्नीलाल जायसवाल, जाति जायसवाल, निवासी पुलिस लाईन रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 02.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रणय कुमार थामस आ0 कमल कुमार थामस जाति, निवासी त्रिकोण चौक केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1980/21 रकबा 0.07 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद कुमार, प्रमोद कुमार आ0 जनार्दन प्रसाद जाति, निवासी केदारपुर जोड़ा पीपल के पास अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 242 / 3 रकबा 0.30 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सीमा पाठक पत्नी स्व0 नागेश्वर प्रसाद पाठक, निवासी हाउस नंबर 2/146, मिशन रोड़ केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-01 मोहल्ला- केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 46 / 81 रकबा 780 वर्गफीट भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 22/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक- 02/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर -03, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0-202604022900002 /ब - 121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण बृजमोहन गुप्ता आ. रामकरण एवं अन्य 01, निवासी मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 89/6 रकबा 0.012 हे0 भूमि एवं मकान को अनावेदक विक्री कनौजिया आ. रघुनंदन सोनी निवासी मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्री करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 20.04.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 02/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी
(रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राघवेन्द्रधर दुबे पिता संजयधर दुबे जाति ब्राहम्ण निवासी हनुमान मंदिर के सामने अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 3/295 रकबा 0.126 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यवसायिक/औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 10/4/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

हाईकोर्ट का आईना, कोरिया का 'प्रभार प्रयोग' और नई हलचल

क्या अब लौटेगा सीईओ को अधिकार?

टूटी शिला पट्टिकाओं से शुरू हुआ विवाद अब पहुंचा प्रशासनिक अधिकारियों तक, गैर-राजपत्रित को प्रभार और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर की टिप्पणी के बाद कोरिया में फैसलों पर गहराता संशय

हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद भी कोरिया में 'प्रभार प्रयोग' जारी, जिम्मेदारी अब भी सवालों में...

-रवि सिंह-

कोरिया,08 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। कभी एक आयोजन,कभी एक आदेश और अब एक टिप्पणी कोरिया जिले की प्रशासनिक कहानी इन दिनों लगातार नए अध्याय जोड़ रही है,कोरिया उत्सव 2026 के दौरान टूटी शिला पट्टिकाओं से शुरू हुआ विवाद अब केवल लापरवाही तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह प्रशासनिक अधिकार, जवाबदेही और निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता तक पहुंच गया है,जहां पहले सवाल यह था कि शिलान्यास के बाद पट्टिकाएं क्यों टूटी, वहीं अब सवाल यह है कि उस घटना के बाद जो प्रशासनिक कार्रवाई हुई,वह कितनी वैध थी? इसी बीच छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर की टिप्पणी ने इस पूरे मामले को एक नया मोड़ दे दिया है, कोर्ट ने साफ कर दिया कि जनपद सीईओ का प्रभार बदलना कलेक्टर के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, इस टिप्पणी के बाद कोरिया जिले में एक नई बहस शुरू हो गई है, जिन सीईओ को प्रभार से हटाकर जिला मुख्यालय में संलग्न किया गया था, क्या उन्हें अब पुनः उनके पद का प्रभार मिलेगा? या फिर प्रशासन अपने पुराने निर्णयों पर कायम रहेगा? स्थिति और भी जटिल तब हो जाती है जब यह सामने आता है कि राजपत्रित अधिकारियों को संलग्न कर,जनपद पंचायतों का संचालन गैर-राज पत्रित कर्म चारियों के हाथों में सौंप दिया गया है, यह व्यवस्था अस्थायी है या नई परंपरा यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, अब कोरिया जिले में हर चर्चा का केंद्र यही है कि क्या हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद प्रशासन अपने फैसलों की समीक्षा करेगा, या फिर यह प्रभार प्रयोग आगे भी जारी रहेगा।

सीईओ प्रभार विवाद में घिरा कोरिया, हाईकोर्ट के बाद भी नहीं बदली व्यवस्था

राजपत्रित बाहर,गैर-राजपत्रित अंदरः कोरिया का नया प्रशासनिक मॉडल सवालों में...

प्रभार बदला,सवाल बढ़ा : हाईकोर्ट के बाद कोरिया में प्रशासनिक फैसलों पर बहस तेज

शिलान्यास से विवाद तक : जहां से शुरू हुई पूरी कहानी

कोरिया उत्सव के दौरान हुए शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रमों ने जिले में विकास की एक बड़ी तस्वीर पेश की थी, लेकिन कार्यक्रम के बाद मैदान में टूटी और बिखरी शिला पट्टिकाओं ने उस तस्वीर को धुंधला कर दिया था,यह केवल एक आयोजन की चूक नहीं थी, बल्कि इसने प्रशासनिक निगरानी और समन्वय की कमी को उजागर कर दिया था, इसके बाद जो कार्रवाई हुई, उसने मामले को और उलझा दिया था।

कार्यक्रम खत्म,कार्रवाई शुरू—और दिशा बदली

पट्टिकाओं के टूटने की घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जनपद सीईओ को उनके पद से हटाकर जिला मुख्यालय में संलग्न कर दिया,लेकिन स्थानीय चर्चाओं में यह सवाल लगातार उठता रहा कि निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी? और कार्रवाई किस पर हुई? यानी समस्या एक दिशा में थी और समाधान दूसरी दिशा में खोजा गया।

प्रभार प्रयोग ने बढ़ाई हलचल

अब इस पूरे मामले में नया मोड़ तब आया जब यह सामने आया कि राजपत्रित अधिकारियों को संलग्न कर, जनपद पंचायतों का प्रभार गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को सौंप दिया गया है, यह व्यवस्था प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई है, इसे लेकर दो तरह की राय सामने आ रही है, एक पक्ष इसे त्वरित प्रशासनिक समाधान बता रहा है, जबकि दूसरा इसे नियमों के विपरीत और असंतुलित व्यवस्था मान रहा है।

गैर-राजपत्रित को वित्तीय अधिकारः नियम या लचीलापन?

जनपद स्तर पर आहरण-संवितरण जैसे वित्तीय अधिकार सामान्यतः राजपत्रित अधिकारियों के पास होते हैं, ऐसे में यदि यह प्रभार गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को दिया गया है,तो यह स्पष्ट होना आवश्यक है कि यह अस्थायी व्यवस्था है या नियमों में लचीलापन अपनाया गया है, विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह व्यवस्था लंबे समय तक जारी रहती है, तो यह प्रशासनिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

न्यायालय नहीं गए—मर्यादा या मजबूरी?

इस पूरे मामले में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रभावित अधिकारियों ने अब तक न्यायालय का सहारा नहीं लिया, यदि वे जाते, तो संभवतः स्थिति अलग होती, उनका यह निर्णय एक ओर प्रशासनिक मर्यादा का संकेत है,तो दूसरी ओर यह भी दर्शाता है कि सिस्टम के भीतर संतुलन बनाए रखने की कोशिश की गई।

हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद बदला परिदृश्य

हाईकोर्ट की टिप्पणी क्या कहती है गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की जनपद सीईओ शुभ्रा दामोदर मिश्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि जनपद सीईओ का प्रभार बदलना कलेक्टर के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, कोर्ट ने संकेत दिया कि इस प्रकार के प्रशासनिक निर्णय राज्य सरकार के स्तर पर ही लिए जाने चाहिए, इस आदेश के बाद संबंधित जिले में सीईओ का प्रभार यथावत रखने की स्थिति बन गई है, इस टिप्पणी के बाद यह सवाल और गहरा हो गया है कि कोरिया जिले में लिए गए निर्णयों की स्थिति क्या होगी?

श्रेय ऊपर, जवाबदेही नीचे—कोरिया मॉडल?

कोरिया जिले की वर्तमान स्थिति को एक लाइन में समझना हो तो कहा जा सकता है निर्णय ऊपर, जिम्मेदारी नीचे, मंच पर श्रेय लेने की होड़ है, और जमीन पर जिम्मेदारी तय करने की उलझन, कोरिया की यह पूरी कहानी केवल एक आयोजन या एक प्रशासनिक निर्णय की नहीं है, बल्कि यह उस व्यवस्था का आईना है जिसमें समन्वय, जवाबदेही और अधिकारों के बीच संतुलन कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर की टिप्पणी ने अब इस मामले को एक नई दिशा दे दी है, अब देखना यह है कि कोरिया प्रशासन इस आईने में खुद को देखता है और सुधार करता है, या फिर यह पूरा मामला भी समय के साथ एक और फाइल बनकर रह जाएगा।

युवा अधिकारियों पर असर और सिस्टम की चुनौती

प्रभावित अधिकारी अपेक्षाकृत युवा हैं और उनका करियर अभी प्रारंभिक दौर में है, ऐसे में इस तरह की कार्रवाई उनके आत्मविश्वास और कार्यशैली पर प्रभाव डाल सकती है, यह प्रशासन के लिए भी एक चुनौती है कि वह जवाबदेही तय करते समय संतुलन बनाए रखे।

क्या अब होगा प्रभार वापस? सबसे बड़ा सवाल

अब पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद कोरिया कलेक्टर अपने निर्णयों की समीक्षा करेंगी? क्या राज्य शासन से नियुक्त सीईओ को उनका प्रभार वापस मिलेगा? या फिर यह मामला भी समय के साथ ठंडा पड़ जाएगा?

मनेन्द्रगढ़ सामूहिक विवाह घोटाला

21 लाख की अनियमितता की पुष्टि के बाद भी अधिकारी पदस्थ,पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने उठाए सवाल,मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के आश्वासन पर भी संदेह

जांच में आरोप सही,फिर भी कार्रवाई ठप्प,दोषियों पर संरक्षण के आरोप

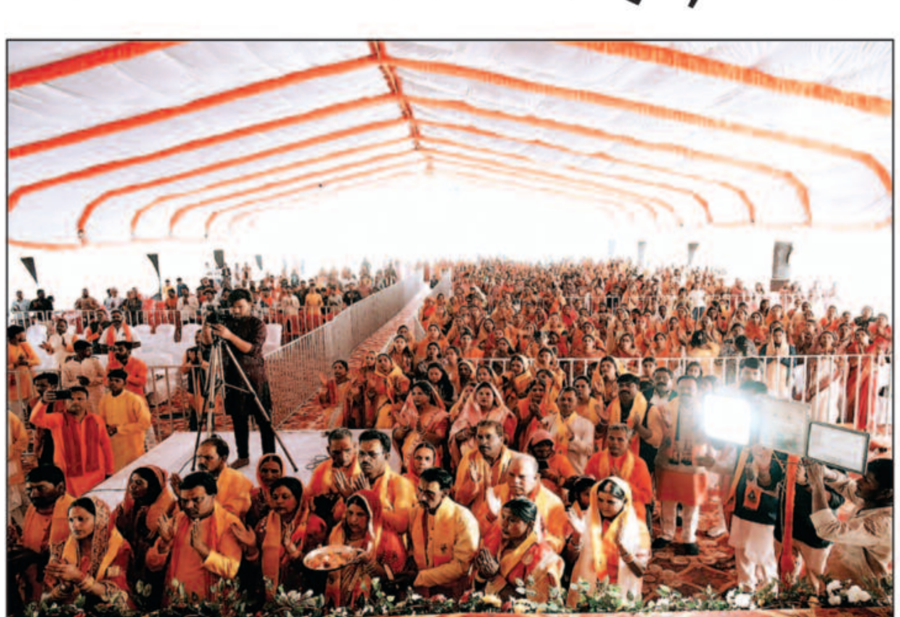

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,08 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जैसे संवेदनशील और सामाजिक महत्व के कार्यक्रम में वित्तीय अनियमितता सामने आना न केवल प्रशासनिक लापरवाही का संकेत है, बल्कि यह शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है, भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो द्वारा उठाए गए इस मामले में अब जांच रिपोर्ट भी सामने आ चुकी है, जिसमें लगभग 21 लाख रुपये के खर्च में अनियमितता की पुष्टि की गई है, कलेक्टर कार्यालय द्वारा गठित जांच समिति ने साफ तौर पर माना है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान नियमों का उल्लंघन हुआ, इसके बावजूद अब तक दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना पूरे मामले को और अधिक गंभीर बना रहा है।

जांच में अनियमितता की पुष्टि

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास शाखा), जिला एमसीबी द्वारा गठित जांच समिति ने विस्तृत जांच के बाद अपनी रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उजागर किया है,रिपोर्ट के अनुसार सामग्री की खरीदी निर्धारित नियमों के विपरीत की गई, वित्तीय प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा,व्यय में अनियमितता स्पष्ट रूप से सामने आई, जांच समिति ने इन सभी बिंदुओं को दर्ज करते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी,जिससे यह स्पष्ट हो गया कि शिकायत केवल आरोप नहीं, बल्कि तथ्यात्मक आधार पर सही थी।

जिले में चर्चा और बढ़ता असंतोष

इस मामले के सामने आने के बाद जिले में चर्चा का माहौल है, लोग यह जानना चाहते हैं कि दोषियों पर कार्रवाई कब होगी, क्या शासन स्तर पर कोई ठोस निर्णय लिया जाएगा या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह लंबित रह जाएगा।

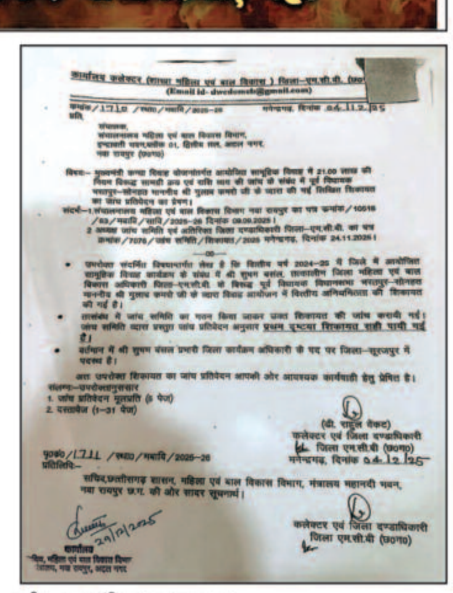

शिकायत और मीडिया की भूमिका

इस पूरे मामले को सामने लाने में पूर्व विधायक गुलाब कमरो की भूमिका महत्वपूर्ण रही,उन्होंने इस मामले को गंभीरता से उठाया और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई,इसके साथ ही स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से सामने लाया, जिसके बाद प्रशासन को जांच के लिए बाध्य होना पड़ा,यह मामला यह भी दर्शाता है कि जनप्रतिनिधियों और मीडिया की सक्रियता से ही कई बार ऐसे मामलों का खुलासा संभव हो पाता है।

दोषी अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं?

जांच रिपोर्ट में तत्कालीन जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शुभम बंसल के खिलाफ शिकायत सही पाई गई है,इसके बावजूद स्थिति यह है कि संबंधित अधिकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई, वे वर्तमान में सूरजपुर जिले में प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी के रूप में पदस्थ हैं,यह स्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि जब आरोप सिद्ध हो चुके हैं, तो कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है।

पूर्व विधायक के तीखे सवाल

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस पूरे मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने कहा कि कलेक्टर द्वारा जांच के बाद रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है और कई महीने बीत चुके हैं,लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या दोषी अधिकारियों को संरक्षण दिया जा रहा है और क्या प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही समाप्त हो गई है।

मंत्री के आश्वासन पर उठे सवाल

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान इस मामले में कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया था,लेकिन वर्तमान स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है,पूर्व विधायक ने यह भी कहा कि यदि आश्वासन के बावजूद कार्रवाई नहीं होती,तो यह जनता के विश्वास को प्रभावित करता है।

प्रशासनिक प्रक्रिया बनाम परिणाम

एमसीबी कलेक्टर द्वारा जांच प्रतिवेदन संचालनालय और सचिवालय महिला एवं बाल विकास विभाग,नवा रायपुर को भेजा जा चुका है,इसके बावजूद कार्रवाई लंबित रहना यह दर्शाता है कि प्रशासनिक प्रक्रिया और वास्तविक परिणाम के बीच एक बड़ा अंतर है,यह स्थिति यह भी संकेत देती है कि निर्णय लेने में देरी या अनिच्छा दोनों ही संभावनाएं मौजूद हैं।

शाह रुख कभी भी गांववाले...प्रियदर्शन ने बताया क्यों अक्षय कुमार के साथ बनाते हैं ज्यादा फिल्में?

निर्देशक प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार और शाहरुख खान की अभिनय शैलियों पर बात की है। उन्होंने बताया कि अक्षय आम आदमी जैसे दिखते हैं, जिससे वे जमीनी किरदार अच्छे से निभा पाते हैं। प्रियदर्शन और अक्षय कुमार एक साथ फिल्म भूत बंगला में काम कर रहे हैं। यह हॉरर कॉमेडी 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं 16 अप्रैल को इसके पेड प्रिव्यू रखे गए हैं।

क्यों अक्षय से अलग हैं शाह रुख?

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन अब तक 6 फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब 16 साल बाद ये जोड़ी भूत बंगला में वही जादू बिखेरती नजर आएगी। हाल ही में फर्स्टपोस्ट को दिए एक इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने अक्षय और शाह रुख खान की स्क्रीन प्रेजेंस में अंतर के बारे में बात की। इस दौरान प्रियदर्शन ने दोनों अभिनेताओं की बॉडी लैंग्वेज और उनके साथ सहजता से जुड़ने के तरीकों में अंतर के बारे में खुलकर बात की।

क्या है अक्षय की सबसे बड़ी खूबी?

अक्षय की एक्टिंग स्टाइल के बारे में बात करते हुए, प्रियदर्शन ने अभिनेता की सबसे बड़ी खूबियों में से एक का खुलासा किया। उन्होंने कहा, अक्षय की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह एक आम आदमी की तरह दिखते हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनका चलने का तरीका,खासकर जब मैंने खट्टा मीठा फिल्म की थी, तो मुझे लगा कि वह सचमुच एक स्ट्रग्लिंग रोड कॉन्ट्रेक्टर की तरह दिखते हैं। निर्देशक ने आगे कहा कि कई एक्टर्स स्वाभाविक रूप से पर्दे पर एक स्टाइलिश व्यक्तित्व कैरी करते हैं, जिससे उनके लिए साधारण दिखना मुश्किल हो जाता है। प्रियदर्शन का मानना है कि अक्षय ग्राउंडेड कैरेक्टर ज्यादा अच्छे से कर लेते हैं क्योंकि वो ऑर्डिनरी आदमी की तरह दिखते हैं और उन्हें कॉमन मैन की चीजें पता हैं।

शाह रुख इससे एकदम अलग

इसके विपरीत, फिल्म निर्माता ने कहा कि शाह रुख के व्यक्तित्व और बॉडी लैंग्वेज में शहरी परिवेश की झलक मिलती है। बिल्लू फिल्म में साथ काम करने के दौरान की घटनाओं को याद करते हुए प्रियदर्शन ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी एक घटना का जिक्र किया।
उन्होंने बताया,मुझे याद है कि मैं शाह रुख को साउथ के एक बेहद दूरदराज गांव में ले गया था। तब उन्होंने मुझसे पूछा, 'आपको यह जगह कैसे मिली?' उन्होंने मुझे बताया कि मैं कभी भी किसी गांव से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाता क्योंकि मैं दिल्ली में पला-बढ़ा हूं। प्रियदर्शन ने आगे कहा कि शाहरुख कभी भी ग्रामीण किरदार नहीं निभा सकते, क्योंकि उनकी बॉडी लैंग्वेज बहुत ही सधी हुई और शहरी है।

मैं उनकी वजह से इंडस्ट्री...इस एक्ट्रेस ने रणवीर सिंह को बताया अपना लकी चार्म

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी अपकमिंग रिलीज फिल्म डकैत का इंतजार कर रही हैं। ये एक पैन इंडिया फिल्म है जिसमें वो साउथ एक्टर अदिवि शेष के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में आए 15 साल पूरे हो गए हैं हाल ही में उन्होंने अपनी इस जर्नी पर बात की।रणवीर इलाहबादिया के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान मृणाल ने रणवीर सिंह को अपना लकी चार्म बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि वो उनके साथ एक टीवी कॉमर्शियल में काम कर चुकी हैं जिसके बाद से उनके पास कई ऑफर आए।

लोगों ने कब किया मृणाल को नोटिस?

मृणाल ने कहा,मेरा दिल खुशी से झूम रहा है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। उन्हीं की वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए मॉडल के तौर पर एक ऐड शूट किया था और जब वो विज्ञापन सिनेमाघरों में आया तभी फिल्म निर्माताओं ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। इसका श्रेय मैं उन्हें ही देती हूं। इस इंसान ने मेरी बहुत मदद की है। वो इतने पॉजिटिव इंसान हैं कि वे सारी सफलता के हकदार हैं।

उनकी हर फिल्म ब्लॉकबस्टर हो - मृणाल

इसी के साथ मृणाल ने धुरंधर 2 में रणवीर सिंह की दमदार एक्टिंग और धांसू परफॉर्मेंस की भी तारीफ की। मृणाल ने रणवीर सिंह की तारीफ करते हुए कहा, उनकी एक्टिंग सतह की नही थी। उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने फिल्म रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखी। मैंने उसे सिर्फ हमजा के रूप में देखा। वह एक नायक से कहीं अधिक एक किरदार था। मुझे रणवीर पर बेहद गर्व है क्योंकि वह बहुत मेहनती हैं। मेरी प्रार्थना है कि वह जो भी करें, ब्लॉकबस्टर हो! वह सब कुछ कर सकते हैं।

पुष्पा के बाद अब होगा राका का आतंक

महा-सुपरस्टार बनकर अल्लू अर्जुन मचाएंगे बॉक्स ऑफिस पर तबाही! अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर नई फिल्म राका का फर्स्ट लुक और टाइटल जारी किया है। एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। पुष्पा से बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने के बाद अब अल्लू अर्जुन एक बार फिर से स्क्रीन्स पर धमाका करने आ रहे हैं। जी हां, अल्लू अर्जुन आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं और जन्मदिन के मौके पर अल्लू ने अपने फैंस को दिया है एक बड़ा तोहफा। इस तोहफे को पाकर अल्लू के फैंस भी इस वक्त काफी खुश हैं।

रिलीज हुआ अल्लू अर्जुन की फिल्म का फर्स्ट लुक

सभी जानते हैं कि, अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी शानदार पकड़ और दमदार फैन फॉलोइंग से हर किसी को अपना दीवाना बनाया है। अल्लू के हर नए प्रोजेक्ट के लिए दुनिया भर के फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसी बीच अल्लू ने अपनी आने वाली फिल्म का टाइटल और पोस्टर रिलीज किया है। अल्लू की नई फिल्म का नाम राका है। जी हां, अपने जन्मदिन के मौके पर अल्लू अर्जुन ने एटली के साथ अपनी अगली फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया और साथ ही इसका टाइटल भी रिवील किया है।

पोस्टर में क्या है खास?

अल्लू अर्जुन की राका के पोस्टर में उनका पूरी तरह बदला हुआ लुक देखने को मिल रहा है। पोस्टर में एक भेड़िए का हाथ नजर आ रहा है, जिससे अल्लू ने अपना आधा चेहरा छिपा रखा है। इसके अलवा भेड़िये वाले हाथ में नुकीले नाखून भी दिख रहे हैं। इसके अलावा गंजा सिर और आंखों में काजल लगाए अल्लू जबरदस्त लुक देते हुए नजर आ रहे हैं। अल्लू का ये पोस्टर सोशल मीडिया पर आते ही छा गया है। अल्लू के अलावा फिल्म की लीडिंग लेडी दीपिका पादुकोण ने भी इसे शेयर किया है। आपको बता दें कि दीपिका भी फिल्म में अल्लू के साथ इस फिल्म में दिखने वाली हैं। इस पोस्टर के बाद एक चीज तो साफ हो गई है कि पैन इंडिया लेवल पर नहीं बल्कि अल्लू अब इंटरनेशनल लेवल पर भी तहलका मचाने को तैयार हैं। एटली के डायरेक्शन में बनने वाली अल्लू की ये बिग बजट फिल्म कई ओवरसीज में रिलीज होगी और इससे ये साफ हो रहा है कि इस बार अल्लू को उनके फैंस नेवर सीन बिफोर वाले अवतार में देखने वाले हैं। पुष्पा के बाद अल्लू सबसे बड़े सुपरस्टार बनकर उभरे हैं और अब देखना ये है कि राका में क्या नया धमाका करने वाले हैं अल्लू अर्जुन।

शक्तिमान तूने तो बच्चे मारे हैं...मुकेश खन्ना पर जमकर बरसे समय रैना

समय रैना ने स्टिल अलाइव के साथ वापसी करके शक्तिमान का किरदार निभाने वाले मुकेश खन्ना पर जमकर भे ास निकाली और नए शो में उन्हें बुरी तरह ट्रोल किया।
कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर से अपने यूट्यूब वीडियो को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। उन्होंने अपने यूट्यूब के विवादित शो इंडियाज गॉट लैटेंट के बंद होने के काफी समय बाद अब दमदार वापसी की है। हाल ही में वह अपना नया शो स्टिल अलाइव लेकर आए हैं, जिसमें उन्होंने अपने आलोचकों पर जमकर अपनी भड़ास निकाली है।समय रैना ने कॉमेडियन सुनील पाल की खिल्ली उड़ाने के साथ-साथ शक्तिमान फेम दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना पर भी अपने वीडियो में जमकर निशाना साधा है।

तू किस हक से नैतिकता का पाठ पढ़ा रहा है : समय रैना

समय रैना ने शो इंडियाज गॉट लैटेंट के बंद होने के बाद अपने मुश्किल समय के बारे में बात करते हुए बताया कि उस वक्त सब उन पर बरस रहे थे। मुकेश खन्ना पर निशाना साधते हुए समय रैना ने कहा, उस समय वे सभी लोग लाइमलाइट लेने के लिए आ गए थे, जिनका उस मामले से कोई लेना-देना नहीं था और उस समय वे चल भी नहीं रहे थे। शक्तिमान आ गया था यार...शक्तिमान से कैसे लड़ेंगे? सॉरी शक्तिमान, वो कह रहा था कि मेरे कंटेंट का बच्चों पर क्या असर पड़ेगा। समय ने आगे कहा, मुझे नहीं पता आप लोगों ने कितना शक्तिमान देखा है, लेकिन उस समय याद हो तो न्यूज आती थी कि बच्चा शक्तिमान को देखकर छत से कूद गया है। तूने तो बच्चे मारे हैं, तू क्या नैतिकता का पाठ पढ़ा रहा है।

समय रैना ने बी-प्राक पर भी साधा निशाना

दरअसल,जब इंडियाज गॉट लैटेंट का विवाद गरमाया था,तो उस समय सिंगर बी-प्राक ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि वह अब कभी भी रणवीर अलाहाबादिया के पॉडकास्ट में नहीं जाएंगे। इसके जवाब में समय रैना ने अपने शो में तंज कसते हुए कहा, ये क्या बात हुई कि मैं अब पॉडकास्ट में नहीं आऊंगा।

मुकेश खन्ना ने की थी कड़ी सजा की मांग

जिन्हें इस विवाद के बारे में नहीं पता, उन्हें बता दें कि यह पूरा बवाल फरवरी 2025 में शुरू हुआ था। इंडियाज गॉट लैटेंट के एक एपिसोड में रणवीर अलाहाबादिया ने अपने माता-पिता के निजी संबंधों के बारे में कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता मुकेश खन्ना ने इसे वाहियात बताया था और कहा था कि इस तरह के व्यवहार पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अभिनेता ने यहां तक कह दिया था कि ऐसे घटिया वीडियो बनाने वालों का मुंह काला करके उन्हें गधे पर बिठाकर पूरे शहर में घुमाना चाहिए।

खेल समाचार

डेवाल्ड ब्रेविस फिर लौटेंगे मैदान पर

चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस इंजरी की वजह से अभी तक आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं...उन्होंने खुद ही इशारा किया है कि कब मैदान पर वापसी करेंगे...

नई दिल्ली,08 अप्रैल 2026। चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल 2026 में अभी तक खाता नहीं खुला है। टीम ने तीन मैच खेले हैं और उसे तीनों में हार मिली है। महेंद्र सिंह धोनी के अलावा साउथ अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस भी तीनों मैचों में नहीं खेले हैं। ट्रेनिंग के दौरान साइड स्ट्रेन की चोट के कारण वह टीम के शुरुआती तीन मैचों में नहीं खेल पाए। ब्रेविस ने खुद अपने खेलने पर इशारा दिया है।

डेवाल्ड ब्रेविस ने वापसी को लेकर इशारा किया

चेन्नई में हाल ही में हुए एक इवेंट के दौरान डेवाल्ड ब्रेविस को कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे और आयुष म्हात्रे के साथ देखा गया। जब उनसे फैंस के लिए कोई मैसेज देने को कहा गया तो 22 साल के इस खिलाड़ी के बयान से बड़ा अपडेट मिल गया है। उन्होंने कहा,आप लोगों से 11 तारीख को मिलते हैं... हर मैच में, हम जहां भी खेलेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स से सीएसके का अगला मैच

चेन्नई सुपर किंग्स को अपना अगला मुकाबला 11 अप्रैल के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में यह मुकाबला खेला जाएगा। डेवाल्ड ब्रेविस के वापसी से चेन्नई सुपर किंग्स की बल्लेबाजी मजबूत होगी। ब्रेविस पिछले सीजन इंजरी रिप्लेसमेंट के रूप में सीएसके से जुड़े थे। 6 मैचों में टीम के लिए उन्होंने 37.50 की औसत और 180 की स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए थे। इसमें दो फिफ्टी शामिल हैं। 135 मैचों के टी20 करियर में ब्रेविस ने 154 की स्ट्राइक रेट से 3240 रन बनाए हैं।

सीएसके के लिए बल्लेबाजी बड़ी परेशानी

सीएसके की टीम राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हारकर पॉइंट्स टेबल में आखिरी नंबर पर है। टीम के बल्लेबाजों ने काफी निराश किया है। ओपनिंग में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन बुरी तरह फेल रहे हैं। ऑक्शन में कार्तिक शर्मा पर 14 करोड़ से ज्यादा की बोली लगी थी। वो भी भरोसे पर अभी तक खड़े नहीं उतरे हैं।

आयुष शेट्टी ने चीन के वर्ल्ड नंबर 7 ली शिफेंग को सीधे गेम में हराकर चौंका दिया

बीजिंग,08 अप्रैल 2026। भारत के उभरते हुए स्टार आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में वर्ल्ड नंबर 7 और हांगकांग ओपन 2025 चैंपियन चीन के ली शि फेंग को सीधे गेम में 21-13, 21-16 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ली की दोनों गेम में अच्छी शुरुआत के बावजूद, भारतीय युवा खिलाड़ी ने बाद के स्टेज में दबदबा बनाया और प्री-क्वार्टर में पहुंच गए। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की एक प्रेस रिलीज के मुताबिक, शुरुआती गेम में आयुष ने शुरुआत में वापसी करते हुए 4-4 से बराबरी कर ली, और 7-7 तक ली ने थोड़ी बढ़त बनाए रखी।

इसके बाद, यूएस ओपन 2025 चैंपियन ने कंट्रोल हासिल कर लिया और घरेलू फेवरेट खिलाड़ी को हराकर गेम 21-13 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी ऐसा ही हुआ,जिसमें ली ने शुरू में दबाव बनाया और मिड-फेज तक बढ़त बनाई। हालांकि,आयुष ने 13-13 पर गियर बदलने से पहले कई बार बराबरी की। इस युवा खिलाड़ी ने लगातार छह पॉइंट्स के साथ बढ़त बनाई और 51 मिनट में 21-16 से मैच जीत लिया। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत के अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन में दो गोल्ड मेडल शामिल हैं । दिनेश खन्ना ने पुरुष सिंगल्स (1965) में और सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पुरुष डबल्स (2023) में।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 बैडमिंटनः- इंडिया स्क्वाड मेन्स सिंगल्सः लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय मेन्स डबल्सः हरिहरन अम्साकारुनन-एम आर अर्जुन, पृथ्वी के आर-साई प्रतीक के विमेंस सिंगल्सः पीवी सिंधु, मालविका बंसोड़, उन्नति हुड्डा, तन्वी शर्मा विमेंस डबल्सः कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी, प्रिया कोंजेंगबामः-श्रुति मिश्रा,अश्विनी भट के-एस गौतम मिक्स्ड डबल्सः ध्रुव कपिला-तनिषा क्रैस्टो,रोहन कपूर-रुथविका शिवानी, अशीथ सूर्या-अमृता प्रमुथेश।

बायर्न ने बर्नब्यू में रोमांचक मुकाबले में रियल मैड्रिड पर पहली जीत दर्ज की

सैंटियागो,08 अप्रैल 2026। बुंडेलसिगा की बड़ी टीम बायर्न म्यूनिख ने सैंटियागो बर्नब्यू में रियल मैड्रिड को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। स्पेनिश राजधानी में हुए तेज़ मुकाबले के बाद टीम को पहले लेग में थोड़ी बढ़त मिली। विन्सेंट कोम्पनी की टीम ने हाफटाइम से ठीक पहले गोल किया जब सर्ज ग्नब्री ने लुइस डियाज़ को एक सटीक पास दिया, जिन्होंने ऑफसाइड ट्रैप को तोड़कर 41वें मिनट में कीपर एंड्री लुनिन को छकाते हुए नीचे की ओर शॉट मारा। मैच दोबारा शुरू होने के कुछ ही सेकंड बाद बायर्न ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जब माइकल ओलिस ने हैरी केन को बॉक्स के किनारे से तेज़ी से काउंटर-अटैक के बाद गोल करने का मौका दिया। एक घंटे के बाद रियल ने सुधार किया और काइलियन एम्बाप्पे ने 74वें मिनट में ट्रेंट अलेक्जेंडर-आर्नोल्ड के निचले क्रॉस को दूर पोस्ट पर गोल में बदलकर एक गोल वापस कर लिया।

हेनरिक क्लासन ने एसआरएच को दिए 10 में 6 नंबर

बोले..अहम मौकों पर चूक पड़ रही भारी; खुद टीम के टॉप स्कोरर

हैदराबाद,08 अप्रैल 2026। सनराइजर्स हैदराबाद की आईपीएल 2026 में शुरुआत अब तक मिली-जुली रही है। टीम ने शुरुआती 3 मैचों में से 2 हारे हैं, जबकि 1 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत हासिल की।
टीम के मिडिल ऑर्डर बैटर हेनरिक क्लासन ने जियोस्टार प्रेस रूम में राइवली वीक से पहले टीम के प्रदर्शन पर बात की।

10 में से 6 की रेटिंग

क्लासन ने कहा कि अगर टीम के प्रदर्शन को रेटिंग दी जाए तो वह अभी 10 में से 6 देंगे। उनके मुताबिक टीम ने कई क्षेत्रों में अच्छा खेल दिखाया है, लेकिन अहम मौकों पर की गई गलतियां भारी पड़ रही हैं।

पावरप्ले में विकेट गिरना बड़ी समस्या

क्लासन ने बताया कि रॉयल चैलेंडर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पावरप्ले में जल्दी विकेट गंवाने से टीम मुकाबले से बाहर हो गई। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी यूनिट का बड़ा हिस्सा अच्छी लय में है और टीम में करीब 80त्त पॉजिटिव्स हैं, लेकिन शुरुआती झटके बड़ी चुनौती बन रहे हैं।

फील्डिंग में सुधार की जरूरत

फील्डिंग को लेकर भी क्लासन ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शुरुआती दो मैचों में टीम की फील्डिंग स्तर के मुताबिक नहीं रही, हालांकि पिछले मैच में सुधार देखने को मिला। टीम अब बेहतर फील्डिंग स्टैंडर्ड सेट करने पर काम कर रही है ताकि दबाव बनाया जा सके और कैच छोड़े बिना मौके भुनाए जा सकें।

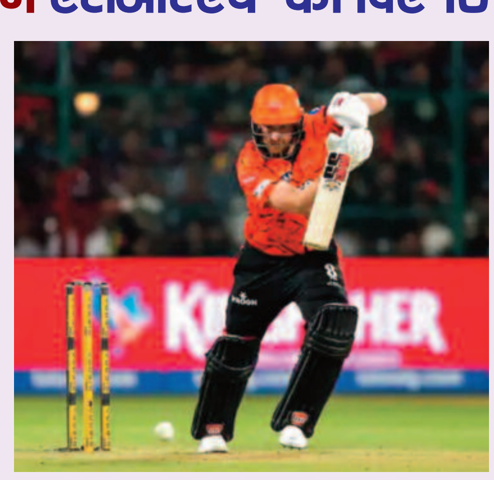

ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक

क्लासन ने साफ किया कि टीम में किसी तरह की घबराहट नहीं है और ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अब टीम का फोकस बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों डिपार्टमेंट्स में एकसाथ अच्छा प्रदर्शन कर मोमेंटम हासिल करने पर है।

क्लासन एसआरएच के टॉप स्कोरर

एसआरएच के लिए क्लासन इस सीजन शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। साउथ अफ्रीका के इस विकेटकीपर-बैटर ने शुरुआती 3 मैचों में 2 अर्धशतकों के साथ कुल 145 रन बनाए हैं और टीम के टॉप स्कोरर बने हुए हैं। क्लासन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 52 रन और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 62 रनों की अहम पारियां खेलीं।

टीम का अगला मैच पंजाब किंग्स से

एसआरएच का अगला मुकाबला 11 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 13 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स से होगा। टीम 18 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगी, इसके बाद 21 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेलेगी। वहीं, 29 अप्रैल को एक बार फिर मुंबई इंडियंस से टक्कर होगी। इसके अलावा टीम को पांच और मैच खेलने हैं।
आईपीएल 2026 का रोमांच अब और बढ़ने वाला है, क्योंकि 12 से 18 अप्रैल तक राइवलरी वीक शुरू होगी। इस सप्ताह में हाई-वोल्टेज मैचों का लाइव और एक्सक्लूसिव प्रसारण जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं।

एमसीए 9 अप्रैल को रवि शास्त्री स्टैंड,वानखेड़े स्टेडियम के गेट दिलीप सरदेसाई,एकनाथ सोलकर और डायना एडुल्जी को समर्पित

मुंबई,08 अप्रैल 2026। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन गुरुवार (9 अप्रैल) को वानखेड़े स्टेडियम में रवि शास्त्री स्टैंड का उद्घाटन करेगा और स्टेडियम के गेट दिलीप सरदेसाई, एकनाथ सोलकर और डायना एडुल्जी को समर्पित करेगा। इस तरह मुंबई और भारत के चार सबसे जाने-माने क्रिकेट खिलाड़ियों को सम्मान दिया जाएगा। उद्घाटन समारोह में महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री,श्री देवेंद्र फडणवीस शामिल होंगे। एमसीए प्रेसिडेंट श्री अजिंक्य नाइक भी मौजूद रहेंगे,साथ ही एपेक्स काउंसिल के सदस्य, पदाधिकारी और क्रिकेट जगत के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। इन दिग्गजों को सम्मान देने के फैसले को एमसीए एपेक्स काउंसिल ने फरवरी में हुई अपनी मीटिंग में मंजूरी दी थी।
इस पहल के तहत, वानखेड़े स्टेडियम में प्रेस बॉक्स के नीचे लेवल 1 स्टैंड का नाम भारत के पूर्व कप्तान और मशहूर कमेंटेटर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा, जो एक खिलाड़ी, लीडर और कोच के तौर पर मुंबई और भारतीय क्रिकेट में उनके शानदार योगदान के लिए दिया जाएगा। इसके अलावा, गेट नंबर 3, गेट नंबर 5, और गेट नंबर 6 को दिलीप सरदेसाई गेट, डायना एडुल्जी गेट, और एकनाथ सोलकर गेट के तौर पर ऑफिशियली खोला जाएगा, जो मुंबई के उन दिग्गजों को श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने इंडियन क्रिकेट पर गहरा असर डाला है।

एमसीए प्रेसिडेंट अजिंक्य नाइक ने कहा यह सेरेमनी मुंबई क्रिकेट के लिए गर्व का पल है क्योंकि हम 9 अप्रैल को इन आइकॉनिक हस्तियों को सम्मान देने के लिए एक साथ आ रहे हैं। रवि शास्त्री स्टैंड का उद्घाटन, साथ ही दिलीप सरदेसाई, एकनाथ सोलकर और डायना एडुल्जी को स्टेडियम के गेट डेडिकेट करना, उनके कीमती योगदान के लिए हमारे गहरे सम्मान को दिखाता है। हम वानखेड़े स्टेडियम में उनकी विरासत का जश्न मनाने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को उन्हीं मूल्यों को बनाए रखने और महानता के लिए कोशिश करने के लिए प्रेरित करने का इंतजार कर रहे हैं।

दिव्यांगों को पेंशन याने 'ऊंट के मुंह में जीरा'! हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा हलफनामा

बिलासपुर,08 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में दिव्यांगजनों को बहुत ही कम पेंशन मिल रहा है। इस मुद्दे पर हाई कोर्ट में याचिका दायर करते हुए बताया गया है कि दिव्यांगजनों को जीविकोपार्जन के लिए सरकार की ओर से मात्र 291 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है।

यह राशि आम नागरिक के एक दिन के खर्च के बराबर भी नहीं है। ऐसे में दिव्यांगजनों के लिए जीवन यापन करना बेहद कठिन हो गया है। दिव्यांगों को मिल रही सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इस पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 23 अप्रैल तक जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता ऋतिक शर्मा ने अपनी अधिवक्ता हमीदा सिद्दीकी के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए दावा किया है कि प्रदेश में 22 हजार से अधिक दिव्यांगजन गंभीर उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। याचिका में संसद में पूछे गए सवालों से जुड़े आंकड़ों का हवाला भी दिया गया है। याचिका में यह भी बताया गया कि दिव्यांगजनों को जीविकोपार्जन के लिए सरकार की ओर से मात्र 291 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। यह राशि आम नागरिक के एक दिन के खर्च के बराबर भी नहीं है। ऐसे में दिव्यांगजनों के लिए जीवन यापन करना बेहद कठिन हो गया है। दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र या अन्य संसाधन खुद खरीदने पड़ते हैं, जो उनके लिए संभव नहीं है।

सचिन तेंदुलकर परिवार का सीक्रेट बिलासपुर दौरा

अचानकमार के आदिवासी गांव पहुंचे,पत्नी अंजलि, बेटी सारा और बहू सानिया ने बच्चों संग बिताया समय

बिलासपुर,08 अप्रैल 2026। भारत रत्न और पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का परिवार मंगलवार सुबह साढ़े 5 बजे बिलासपुर पहुंचा। यह दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया,जिससे परिवार ने बिना

किसी सार्वजनिक सूचना के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया। सचिन की पत्नी डॉ. अंजलि तेंदुलकर,बेटी सारा और बहू सानिया चंडोक तेंदुलकर ग्रामीणों से मिलीं। दोपहर में उनका काफिला लोरमी स्थित अचानकमार क्षेत्र के छपरवा-बम्हनी गांव पहुंचा। यहां तीनों ने पैदल भ्रमण कर ग्रामीणों से बातचीत की और उनके जीवन को करीब से समझने का प्रयास किया। गांव में नवजात शिशु को गोद में लेकर स्नेह जताना, बच्चों के साथ सहज बातचीत करना और स्थानीय माहौल में घुलना-मिलना इस दौरे की खास झलक रही। परिवार ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। परिवार ने बच्चों को खिलौने दिए और उनके साथ समय बिताया। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जीवनशैली, जरूरतों और समस्याओं को समझने पर खास फोकस रहा।

शराब घोटाला केस : ईओडब्ल्यू ने केके तांत्रिक,सौम्या चौरसिया और देवेंद्र डडसेना के खिलाफ 1500 पन्नों का चालान पेश किया

रायपुर,08 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में आठवां पूरक चालान पेश किया है। 1500 पन्नों के इस चालान में सौम्या चौरसिया के.के. श्रीवास्तव तांत्रिक और देवेंद्र डडसेना के खिलाफ अभियोग पत्र दाखिल किया गया है। चालान में घोटाले से जुड़े कई अहम दस्तावेज, लेन-देन और साक्ष्य शामिल किए गए हैं। बता दे की इससे पहले शराब घोटाले में ईओडब्ल्यू ने अब तक कुल 51 आरोपियों के खिलाफ अभियोग पत्र दाखिल किया गया है।

तांत्रिक के.के. श्रीवास्तव और देवेंद्र डडसेना पर गंभीर आरोप

जांच में सामने आया है कि देवेंद्र डडसेना, जो राजीव भवन का पुराना एकाउंटेंट रहा है, ने शराब घोटाले और अन्य स्रोतों से एकत्र अवैध राशि को प्राप्त करने, सुरक्षित रखने और निर्देशानुसार आगे भेजने का काम किया। इस तरह उसने आपराधिक षड़यंत्र में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए पूरे सिंडिकेट को सहयोग किया। वही कृष्ण कुमार श्रीवास्तव उर्फ के.के. श्रीवास्तव की भूमिका भी जांच में अहम पाई गई है। उस पर आरोप है कि उसने सिंडिकेट के अवैध उगाही तंत्र के तहत नगद राशि के उठाव, एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना और उसके प्रबंधन और निवेश और घोटाले की रकम को खपाने में सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर अवैध धन अर्जित किया।

सौम्या चौरसिया पर पद के दुरुपयोग का आरोप

तत्कालीन उप सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय सौम्या चौरसिया पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासकीय पद का दुरुपयोग करते हुए शराब घोटाले से जुड़े सिंडिकेट को संरक्षण,समन्वय,प्रशासनिक सुविधा और समर्थन दिया। जांच में उनकी सक्रिय संलिप्तता,अवैध लाभ और षड़यंत्र के जरिए शासन को राजस्व में भारी नुकसान पहुंचाने की भूमिका प्रमाणित होने का दावा किया गया है।

जांच अभी जारी, और चालान होंगे पेश

ईओडब्ल्यू ने बताया कि प्रकरण में संलिप्त अन्य शासकीय,अशासकीय और राजनीतिक व्यक्तियों के साथ-साथ संबंधित संस्थाओं, फर्मों और कंपनियों के खिलाफ जांच अभी जारी है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे भी अलग-अलग अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किए जाएंगे।

कानून व्यवस्था मजबूत करने बड़ा फेरबदल : बिलासपुर में 33 पुलिसकर्मियों के तबादले,कई थानों में नए प्रभारी

बिलासपुर,08 अप्रैल 2026। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर द्वारा जारी आदेश के तहत कुल 33 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

इस सूची में निरीक्षक, उप निरीक्षक,सहायक उप निरीक्षक सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। जारी आदेश के अनुसार कई प्रमुख थानों के प्रभारियों में बदलाव किया गया है। दामोदर मिश्रा को चकरभाठा एयरपोर्ट सुरक्षा से हटाकर हिर्री थाना प्रभारी बनाया गया है,जबकि रविशंकर तिवारी को हिर्री से एयरपोर्ट सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में कृष्णचंद्र सिदार को मस्तूरी, रजनीश सिंह को तोरवा और भावेष शेण्डे को चकरभाठा थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं उमेश कुमार साहू को अजाक थाना, तोपसिंह नवरंग को बिल्हा और राजश्री दामू कोशले को कोनी थाना की कमान सौंपी गई है। गोपाल कृष्ण सतपथी को प्रभारी एसीसीयू बनाया गया है, जो जिले में अपराध नियंत्रण की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानी जाती है। प्रशासनिक दृष्टि से रक्षित केंद्र से संजय सिंह, उत्तम साहू,अनीष पासवान और अभय सिंह बैस को निरीक्षक कानून व्यवस्था के रूप में अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात किया गया है। इन्हें क्रमशः कोतवाली, सिविल लाइन, कोटा और सरकंडा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि संवेदनशील इलाकों में पुलिसिंग को और मजबूत किया जा सके। दूसरी सूची में 18 सहायक उप निरीक्षकों, प्रधान आरक्षकों और आरक्षकों के तबादले किए गए हैं। भोलेनाथ तिवारी को कोनी थाना, चिरंजीव प्रसाद राठौर को सिटी कोतवाली और ओम प्रकाश परिहार को रक्षित केंद्र भेजा गया है। इसके अलावा कई आरक्षकों को मोपका, बेलगहना और तिफरा क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। एसएसपी कार्यालय द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। पुलिस विभाग का मानना है कि इस व्यापक फेरबदल से जिले में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी, साथ ही पुलिसिंग में तेजी और जवाबदेही भी बढ़ेगी।

स्टे के बावजूद फैसला : फैमिली कोर्ट की 'जिद' पर हाईकोर्ट सख्त,आदेश किया रद्द

बिलासपुर,08 अप्रैल 2026। न्यायिक अनुशासन के उल्लंघन पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए रायगढ़ फैमिली कोर्ट के एक आदेश को निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित समय के प्रेसिडिंग ऑफिसर को शो-कॉज नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर जवाब मांगा है। यह मामला रायगढ़ फैमिली कोर्ट में चल रहे एक पारिवारिक विवाद से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट स्टाफ और प्रतिवादी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए केस को किसी अन्य न्यायालय में स्थानांतरित करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता का आरोप था कि सुनवाई में जानबूझकर देरी की जा रही थी और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे थे। हाईकोर्ट ने 10 मार्च 2026 को इस मामले की सुनवाई के दौरान सिविल सूट की कार्यवाही पर

अंतरिम रोक (स्टे) लगा दी थी। इसके बावजूद फैमिली कोर्ट ने न केवल 10 मार्च बल्कि 12 मार्च को भी सुनवाई जारी रखी। इतना ही नहीं, स्टे की जानकारी होने के बाद भी कोर्ट ने भरण-पोषण (मेंटेनेंस) का आदेश पारित कर दिया और याचिकाकर्ता के खिलाफ कड़ी टिप्पणियां भी कीं। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब किसी उच्च न्यायालय द्वारा निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी जाती है, तो निचली अदालत को आगे सुनवाई करने का कोई अधिकार नहीं रहता।

जिला अध्यक्षों की बैठक...कार्यकारिणी गठित नहीं होने पर पीसीसी नाराज,15 अप्रैल तक पूरा करने का अल्टीमेटम

रायपुर,08 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के जिला अध्यक्षों और प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आज प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित हुई। इस बैठक में राज्य के सभी जिलों के अध्यक्ष, पीआर प्रभारी मैजूद रहे। वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जिला अध्यक्षों से बूथ स्तर से लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की जानकारी मांगी गई। इस दौरान कार्यकारिणी गठन की धीमी प्रक्रिया पर पीसीसी ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ठ रूप से कहा कि जिला कार्यकारिणी, बूथ कमेटी और पंचायत कमेटियों का गठन तय समय सीमा तक कर लिया जाए। कार्यकारिणी गठन की धीमी प्रक्रिया के चलते संगठन के अन्य टास्क समय पर पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज,नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरण दास महंत,पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल,पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव,रविंद्र चौबे एल, ताम्रध्वज साहू,शिवकुमार डहरिया सहित संगठन के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि जिला कार्यकारिणी के गठन में एआईसीसी के निर्देशानुसार केवल 31 ही सदस्यों की अनुमति मिली है,जिसके चलते

ही कार्यकारिणी गठन में लेट लतीफी सामने आ रही है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष और स्थानीय वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बड़े विधानसभा वाले जिलो में सिर्फ 31 सदस्यों की कार्यकारिणी गठन करना मुश्किल है। इससे संगठन के नेताओं में नाराजगी बढ़ेगी इसलिए लगभग आधा दर्जन जिलों में कार्यकारिणी गठन को रोक कर रखा गया है। चर्चा इस बात को लेकर भी है कि कई जिलों में कार्यकारिणी गठन का पेंच स्थानीय वरिष्ठ नेताओं के खींचतान की वजह से भी फंसी हुई है, क्योंकि एआईसीसी ने जिला कार्यकारिणी गठन की संख्या 51 से घठाकर 31 सदस्यों तक समिति कर दी है। इस महत्वपूर्ण बैठक में पीसीसी ने जिला अध्यक्षों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 15 अप्रैल तक जिला कार्यकारिणी और बूथ कमेटी का गठन करने का अंतिम समय दिया है। गौरतलब है कि राज्य की राजधानी रायपुर के शहर और ग्रामीण, बिलासपुर, अंबिकापुर, बलौदाबाजार समेत कई जिलों में कार्यकारिणी का गठन अब तक अटका हुआ है।

जिलाध्यक्षों को दिए गए महत्वपूर्ण टास्क : दीपक बैज

बैठक को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष और प्रभारियों की अहम बैठक आज हुई है। AICC के निर्देश और पीसीसी के मार्गदर्शन में सभी जिला अध्यक्षों को जो जिम्मेदारियां और टारगेट दिए गए थे,उनकी समीक्षा की गई। बैठक में सभी पदाधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा भी की गई। बूथ गठन को लेकर विशेष चर्चा हुई है,वहीं विलेज कमेटियों का गठन तेजी से और बेहतर तरीके से आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी जिला कार्यकारिणी और ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन बाकी है, जिस पर जल्द काम पूरा किया जाएगा। सभी जिला अध्यक्षों को 15 अप्रैल को संगठन को लेकर नया टास्क दिया गया है, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि 300 से ज्यादा सूअरों की तपड़ तड़पकर मौत

दुर्ग,08 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में जानलेवा अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि हुई है। दुर्ग जिले के मुड़पार गांव में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू फैलने से हड़कंप मच गया है। दरअसल,यहां एक अप्रैल से गांव के एक सुअर फार्म में सुअरों की मौत का सिलसिला शुरू हुआ था. धीरे-धीरे यह संख्या बढ़ती गई और कुल 300 से अधिक सुअर तड़प-तड़पकर दर्दनाक मौत के शिकार हो गए। फार्म मालिक ने वेटेनरी विभाग को इसकी सूचना दी, तब दुर्ग जिले के वेटनरी विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. इसके बाद अधिकारियों ने पीपीई किट पहनकर जांच की और सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए 2 अप्रैल को ही वेटेनरी विभाग ने सैंपल लेकर भोपाल स्थित ICAR के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भेज दिए. रिपोर्ट 6 अप्रैल को आई रिपोर्ट में सभी सैंपल पॉजिटिव पाए गए, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की गई।

रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर सुअरों को उतारा मौत के घाट : चूंकि अफ्रीकन स्वाइन फीवर का कोई इलाज या टीका उपलब्ध नहीं है और इस बीमारी में संक्रमित जानवरों की मृत्यु दर लगभग 100 प्रतिशत होती है, इसलिए विशेषज्ञों की सलाह पर बचे हुए 150 सुअरों को भी इंजेक्शन देकर मार दिया गया. इसके बाद सभी मृत सुअरों को जेसीबी की मदद से गहरे गड्ढे खोदकर दफना दिया गया। वहीं, घटना स्थल से एक किलोमीटर क्षेत्र को इन्फेक्टेड और 10 किलोमीटर क्षेत्र को सर्विलांस क्षेत्र घोषित कर दिया गया है. विभाग के अनुसार यह बीमारी केवल सुअरों तक ही सीमित है. यह इंसानों में नहीं फैलती है और न ही इंसानों के लिए

खतरनाक है. फिर भी सावधानी के तौर पर संक्रमित सुअरों का मांस बिल्कुल नहीं खाने की सलाह दी गई है. फिलहाल, जिला प्रशासन ने इस फार्म हाउस को सील कर दिया है। इसके साथ ही प्रशासन इस बात की जांच में जुट गया है कि इन सुअरों को कहां से लाया गया था. यह भी पता लगाया जा रहा है कि यहां लाने से पहले इसे कहां-कहां भेजा गया था। वेटनरी विभाग के डिप्टी डायरेक्टर वसीम शम्स ने बताया कि अफ्रीकन स्वाइन फीवर केवल सूअर से सूअर में फैलने वाली बीमारी है। इसका अब तक कोई इलाज या टीका नहीं है। यही कारण है कि जिस फार्म में यह संक्रमण पाया जाता है, वहां के सभी सूअरों को मारकर जमीन में दफनाया जाता है. दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मुड़पार गांव में एक सूअर फार्म था, जहां सूअरों की मरने की जानकारी प्राप्त हुई थी, जिसके बाद सैंपल लेकर लैब भेजा गया था।

किसानों के लिए बड़ी राहत पी.एम. आशा योजना में अब 20 अप्रैल तक होगा पंजीयन

दुर्ग,08 अप्रैल 2026। जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजना (पीएम-आशा योजना) के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी शुरू कर दी गई है। योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग

द्वारा दलहन एवं तिलहन उत्पादक किसानों के हित में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये है। शासन ने पंजीयन की सीमा 20 अप्रैल 2026 तक बढ़ा दी गई है। खरीफ वर्ष 2025-26 की फसलों अरहर, उड़द, मूंग, सोयाबीन, मूंगफल्ली एवं रबी वर्ष 2025-26 की फसलों चना, मसूर एवं सरसों के लिए किसान 20 अप्रैल 2026 तक समितियों के माध्यम से अपना पंजीयन करवा सकेंगे। इसके लिए इन फसलों की बुवाई करने वाले कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से सेवा सहकारी समितियों में आवेदन पत्र के साथ ऋण पुस्तिका, बी.-1, पी.-2, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा कर एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन करा सकते है। इसी प्रकार योजना अंतर्गत रबी फसल हेतु की गई गिरदावरी/डी.सी.एस. अपूर्ण होने के कारण उपार्जन हेतु फसल एवं रकबा के सत्यापन में कठिनाई को ध्यान में रखते हुए फसल एवं रकबा के सत्यापन हेतु राजस्व विभाग के पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी प्रमाण पत्र कृषक द्वारा प्रस्तुत किये जाने पर प्रमाण पत्र को मान्य करते हुए फसल एवं रकबा का सत्यापन कर उपार्जन की कार्यवाही अधिसूचित सेवा सहकारी समितियों द्वारा की जाएगी। कृषि विभाग द्वारा सभी किसान भाईयों से अपील की जाती है कि वे अंतिम तिथि की प्रतिक्षा किये बिना जल्द से जल्द अपने सेवा सहकारी समिति केन्द्रों पर जाकर पंजीयन की कार्यवाही पूर्ण करावें।

रायपुर में असम सीएम हिमंता सरमा का पुतला दहन...

खड़गे पर टिप्पणी से गरमाई सियासत,पुलिस और कांग्रेसियों के बीच हुई झूमा-झटकी

रायपुर,08 अप्रैल 2026। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ अभद्र भाषा के विरोध में रायपुर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला दहन किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झूमाझटकी भी हुई, हालांकि कार्यकर्ता पुतला दहन करने में सफल रहे। यह प्रदर्शन बुधवार को राजीव गांधी चौक पर किया गया। जहां बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी

पुतला दहन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की,जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने पुतला जलाकर विरोध दर्ज कराया। रायपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री कुमार मेनन ने कहा कि, असम सरकार कांग्रेस नेताओं पर दबाव बनाने के लिए एफआईआर और छापेमारी जैसी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पवन खेड़ा के घर भी पुलिस ने रेड की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी भी दबाव से डरने वाली नहीं है।

भाजपा पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता आकाश शर्मा ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि, पार्टी के नेता पूरी तरह बौखला गए हैं। असम के मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगे है। इन सभी बातों का विरोध करने से असम के सीएम कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।

रायपुर में जल संकट : नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा-35 वार्डों में हाहाकार,करोड़ों खर्च के बाद भी नहीं मिल रहा पानी

रायपुर,08 अप्रैल 2026। राजधानी में गर्मी के शुरुआत में ही जल संकट गहराने लगा है, जिसको लेकर सियासत भी तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने नगर निगम और जल प्रबंधन व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में जल आपूर्ति सुधार के लिए 70 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने की योजना थी, लेकिन अब तक केवल 7-8 किलोमीटर पाइप ही बिछाया गया है। ऐसे में पानी की कमी होना स्वाभाविक है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम द्वारा जलकर,संपत्ति कर और अन्य शुल्कों के नाम पर लोगों से लगातार वसूली की जा रही है। यहां तक कि घरों में नल कनेक्शन देने के लिए 2400 रुपये तक लिए गए, लेकिन उन नलों में पानी नहीं पहुंच रहा। उन्होंने इसे 'धोखा या अपराध' करार देते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। तिवारी ने कहा कि रायपुर के करीब 35 वार्डों में गंभीर जल संकट बना हुआ है। उन्होंने टैंकर आपूर्ति पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, वर्ष 2024 में 50 लाख रुपये, फिर 100 लाख रुपये और अब 2026 में 150 लाख रुपये खर्च कर टैंकर चलाए जा रहे हैं, इसके बावजूद

समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि इस पूरे मामले में 'बड़ा खेल' हो रहा है। उनका कहना है कि पानी हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन पैसा लेने के बावजूद पर्याप्त आपूर्ति नहीं करना जनता के साथ अन्याय है। जल बोर्ड के गठन पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए। तिवारी ने कहा कि केवल कमेटी बनाना समाधान नहीं है, बल्कि इसके लिए सही नीयत और ठोस कार्यवाही जरूरी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)